सत्ताईसवां संस्करण

।।श्री गणेशाय नमः।।

।।श्री राधारमणो विजयते।।

निःशुल्क वितरणार्थ

।। अथ वत्स तिथि एवं पर्व निर्णय पत्र ।।

श्री संवत 2081 ईस्वी सन् 2024-25

श्री शकः 1946

कालयुक्त नाम संवत्सरः

राजा-मंगल मंत्री-शनिः





प्रेरणा स्रोत

परमादरणीय संत स्वरूप
लीला निकुंजस्थ परम वैष्णव

डॉ देवी प्रसाद गौड़

(1923-1997)

पंचांग प्रवर्तक

श्रीमद् भागवत कथा व्यास-
प्राच्य ज्योतिर्विद्या मर्मज्ञ
वैष्णवाचार्य आचार्य

श्री अमिताभ जी महाराज

।। प्रकाशक ।।

डॉ देवी प्रसाद गौड़ प्राच्य विद्या अनुसंधान संस्थान (पंजीकृत), प्रयागराज

श्री कृष्ण मानव संचेतना सेवा फाउंडेशन ट्रस्ट, प्रयागराज

lets click the link (www.amitabhjimaharaj.in) to get your access for www.astrospiritualsolutions.com for true solutions manifold.

अपने ज्योतिषीय एवं आध्यात्मिक समाधान हेतु www.amitabhjimaharaj.in पर क्लिक करे।



श्रद्धेय परम पूज्य संत वैष्णवाचार्य आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज



परम आदरणीया

प्रातः स्मरणीय मातुश्री श्रीमती सुदेवी गौड़

एम.ए., साहित्य रत्न, साहित्यालंकार

प्रादुर्भाव 30/11/1930

श्री राधा रमण धाम को गमन 25/01/2023

अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि

शोकाकुल पुत्र

आचार्य श्री अमिताभ

एवं समस्त भक्त वृंद

डॉ देवी प्रसाद गौड़ प्राच्य विद्या अनुसंधान संस्थान (पंजी.)

एवं

श्री कृष्ण मानव संचेतना सेवा फाउंडेशन ट्रस्ट



श्रीमती सुदेवी गौड़

एम.ए., साहित्य रत्न, साहित्यालंकार



संक्षिप्त परिचय

93 वर्षीय प्रयागराज की साहित्यकार श्रीमती सुदेवी गौड़, एम.ए., साहित्य रत्न, साहित्यालंकार श्री राधारमण लाल के चरणों में समाहित हो गयी। इस दुखद घटना को घटित हुए एक वर्ष का समय व्यतीत हो गया। ऐसा प्रतीत होता है जैसे कल की ही बात है।साहित्य के क्षेत्र में उनका अवदान महत्वपूर्ण रहा है। उन्होनें लघु कथाओं का लेखन किया। सुप्रतिष्ठित बंगला कथाकारों जैसे बनफूल, योगेन्द्र नाथ गुप्त, रंजीत चट्टोपाध्याय जैसों की अरब बेदूइन, ठाकुर मार झूली, बनफूल की लघु कथाओं का हिन्दी में अनुवाद करने के साथ पर्याप्त स्वतंत्र लेखन भी किया जिसका अधिकांश अब अनुपलब्ध है।

प्रयाग गौरव (यह उपाधि उन्हें एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रयाग के तत्कालीन आयुक्त श्री सदाकांत के द्वारा प्रदान की गयी थी) श्रीमती सुदेवी गौड़ एम.ए., साहित्य रत्न, साहित्यालंकार का जन्म 30 नवंबर 1930 को उत्तर प्रदेश के अत्यंत प्रसिद्ध तीर्थ वृंदावन के श्री राधा रमण मंदिर के अत्यंत प्रसिद्ध मध्व गौड़ीय संप्रदाय के संप्रदायाचार्य परिवार में हुआ । इस कारण बौद्धिक परिवेश जीवन के प्रारंभिक चरण से ही आपको प्राप्त हो गया।

आपके पिता गोस्वामी विजय कृष्ण जी महाराज अपने समय के प्रख्यात श्रीमद भगवत गीता तथा श्रीमद्भागवत के प्रखर वक्ता थे। उन्होंने श्री मदन मोहन मालवीय, गोस्वामी गणेश दत्त जी आदि उद्भट विद्वानों के साथ पूर्व स्वतंत्रता काल के दूरस्थ भारतीय क्षेत्रों अर्थात आज के पाकिस्तान डेरा गाजी खान, पेशावर, पन्नू आदि क्षेत्रों में सनातन धर्म प्रचार सभा स्थापित की तथा अपने प्रवचनों से वैष्णव धर्म का प्रचार किया। ऐसे मूर्धन्य पिता की पुत्री सुश्री सुदेवी जी में विद्वता के संस्कार प्रारंभ से ही विद्यमान थे।

आपने उच्च शिक्षा के विविध सोपान को प्राप्त करते हुए एम.ए., साहित्य रत्न, साहित्यालंकार आदि परीक्षाएं उत्तीर्ण की। विद्या विनोदिनी एवं हिन्दी साहित्य सम्मेलन की मॉरीशस तक से कॉपियां आपके पास परीक्षण के हेतु आती रही। दीर्घकाल तक आप उनकी परीक्षक रही।

आपका साहित्य के क्षेत्र में अवदान महत्वपूर्ण रहा। आपने लघु कथाओं का लेखन किया। सुप्रतिष्ठित बंगला कथाकारों जैसे बनफूल, योगेन्द्र नाथ गुप्त, रंजीत चट्टोपाध्याय जैसों की अरब बेदूइन, ठाकुर मार झूली, बनफूल की लघु कथाओं का हिन्दी में अनुवाद करने के साथ पर्याप्त स्वतंत्र लेखन भी किया जिसका अधिकांश अब अनुपलब्ध है।

उनका लेखन उस पूर्व काल में भी सामाजिक सरोकारों के बहुत निकट रहा। स्त्री विमर्श पर पचास वर्ष से भी पूर्व लिखा गया उनका लेख आज भी उतना प्रासंगिक है जितना उस पूर्व काल मे था। साहित्यिक वर्ग में उनकी निरंतर गति बनी रही। गोष्ठियों में, समारोहों में हिन्दी साहित्य सम्मेलन के प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री प्रभात शास्त्री, श्री लक्ष्मी नारायण मिश्र, श्रीमती शकुंतला सिरोठिया आदि के साथ उनके निकट साहित्यिक संबंध रहे।

श्रीमती सुदेवी गौड़ के पुत्र आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज उनकी दैहिक साहित्यिक यात्रा को स्मरण करते हुए उनकी इस वृद्ध वय की पूर्णता में उनके प्रति अपनी भावुक वृत्ति के साथ प्रणत होकर साष्टांग अभिवादन करते हैं। उनकी अंतिम यात्रा को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि देते हुए वह कहते हैं कि उनके लेखन का पुनः अनुसंधान करेंगे।

उन्हें स्मरण करते हुए आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज कहते हैं कि मैंने अपने जीवन में जो कुछ भी प्राप्त किया है जो सद है, पवित्र है, शुभ है, तार्किक है। वह सब अपनी मातोश्री श्रीमती सुदेवी गौड़ के श्री चरणों की कृपा का प्रसाद है।

इस पूर्ण वय में भी उनके बौद्धिक बल के समक्ष मै स्वयं को बहुत लघु अनुभव करता रहा हूं। अपनी इस वृद्ध वय में भी सामाजिक सरोकारों के साथ स्वयं को जोड़े रखना तथा पूरे बल के साथ तार्किक - समसामयिक टिप्पणियां करना उनका प्रिय रुचि विषय रहा है। मेरे द्वारा किए जाने वाले समस्त सामाजिक कार्यो की पृष्ठभूमि में उनके द्वारा प्रदत्त प्रेरणा ही है। पृथ्वी पर मेरे लिए साक्षात ईश्वर श्री राधारमण लाल के धाम को प्राप्त कर चुकीं मेरी मां के चरणों में पुनः सम्पूर्ण भाव युक्त होकर साष्टांग प्रणाम करता हूं। ठाकुर श्री राधा रमण लाल जू ने कृपा पूर्वक मातोश्री को अपने चरणों में स्थान प्रदान करते हुए अपना सामीप्य प्रदान किया है। ऐसा मेरा दृढ़ विश्वास है तथा मैं इस हेतु अपनी करबद्ध प्रार्थना भी ठाकुर जी के श्री चरणों में निवेदित करता हूं।

।। श्री राधा रमणो विजयते ।।

स्मृतिनिधि



(1923 - 1997)

परमादरणीय पिता-गुरू लीला निकुन्जस्थ डॉ0 देवी प्रसाद गौड़

तांत्रिक, ज्योतिषी एवं हस्त रेखा विशेषज्ञ

परमादरणीय डॉ0 देवी प्रसाद गौड़ का जन्म प्रयाग में हुआ। अपनी उच्च शिक्षा के विविध आयाम उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्राप्त किये। प्रारंभ से ही प्राच्य विद्याओं के प्रति अपने आकर्षण के कारण उन्होंने विशेष सम्मान अर्जित किया। कालांतर में हिन्दी साहित्य की सेवा के उद्देश्य से शासकीय सेवा का त्याग कर दिया। प्रतिष्ठित पत्रिका सरस्वती एवं दैनिक भारत में उन्होंने पत्रकारिता के दायित्वों का निर्वहन किया। कालांतर में 1962 के उपरांत वे ज्योतिष एवं तंत्र के विविध पक्षों के अनुसंधान में संलग्न रहे तथा संत स्वरूप में साधना रत रहे। वह प्रचार से सदैव पृथक रहे। तथापि उनसे लाभान्वित होने वाले बहुसंख्य हैं। उनकी विद्या सर्वतोमुखी थी। वे न्याय, दर्शन, साहित्य आदि में भी समान गतियुक्त थे। हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, बांग्ला पर उनका पूर्ण अधिकार था। किन्तु विद्वता के अभिमान से पूर्णतः विरत थे। अब वह हमारे बीच नहीं हैं किन्तु उनका आशीर्वाद एवं शुभैषणा सदैव हमारे जीवन में सुरभित रहेंगे।



विषाणांकुशा वक्षसूत्रं च पाशं दधानं करैर्मोदकं षुष्करेण ।
स्वपत्न्यायुतं हेमभूषाभराढ्य गणेशं समुद्यद्दनेशाभमीडे।।

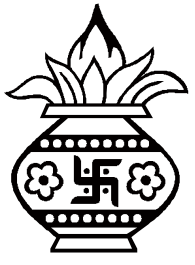



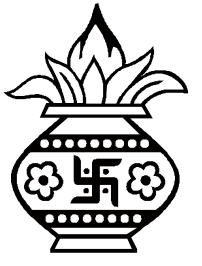

सव्यपादसरोजेनालंकृतोरुमृगाधिपाम् । वामपादाग्रदलितमहिषासुरनिर्भराम् ।। 1।।
सुप्रसन्नां सुवदनां चारूनेत्रत्रयान्विताम् । हारनूपुरकेयूरजटामुकुटमण्डिताम् ।। 2।।
विचित्रपट्टवसनामर्ध चन्द्रविभूतिषताम् । खड्गखेटकवज्राणि शूलं च विशिखं तथा ।। 3।।
धारयन्तीं धनुः पाशं शंखघण्टे सरोरूहम् । बाहुभिर्ललितैर्देवि कोटिचन्द्रसमप्रभाम् ।। 4 ।।
समाहृतैर्दिविषदैर्देवैराकाशसंस्थितैः । स्तूयमानां मोदमानैर्लोकपालादिभिः सदा ।। 5।।

श्रील वदान्य

मेरे पूज्य पिता एवं गुरू परम भागवत प्रातः स्मरणीय **डॉ0 देवी प्रसाद गौड़, प्रकाण्ड प्राच्य ज्योतिर्विद्या विशारद एवं तंत्र विशेषज्ञ,** के सानिध्य में मुझे श्रीमद् भागवत की विशिष्ट आध्यात्मिक भक्ति परक व्याख्या तथा ज्योतिष एवं तंत्र के विविध गूढ़ स्तरों को अनुभूति के स्तर पर साक्षात् करने का अवसर सहज ही सुलभ हुआ। **श्रीमद् भागवतीय तंत्र** के प्रखर विशेषज्ञ महामान्य डॉ0 गौड़ के महाप्रयाण के उपरांत गुरू रूप में उनकी कृपा एवं आशीर्वाद ही इस गुह्य विद्या के निरंतर अनुसंधान हेतु मुझे प्रेरित करने वाले प्रभावी संबल हैं। उनकी स्मृति में स्थापित **प्राच्य विद्या अनुसंधान संस्थान (पंजीकृत)** के लक्ष्यों में इस गुह्य एवं प्राचीन विद्या के विभिन्न अंगों को विश्लेषणात्मक एवं पारदर्शी रूप में जन सुलभ कराना प्रमुख हैं। पारंपरिक पंचांगों के दुर्बोध होने तथा उपलब्ध पर्व पत्रादि के जन अपेक्षा अनुरूप न होने के कारण मैंने प्रयाग के गौरव के अनुरूप उपयुक्त काल गणना के अनुसार विवाद रहित तिथि-पर्व निर्णय पत्र-पंचांग के प्रकाशन की योजना बनायी। ईश्वरीय अनुकम्पा एवं गुरू कृपा से यह कार्य मूर्त रूप ले सका। यह संस्थान की **सत्ताइसवीं पुष्पांजलि** है। इसके निरंतर परिष्कार हेतु हम कृत संकल्प हैं।

अपने समस्त सार्वजनिक लोक कल्याणकारी विविध लक्ष्यों की पूर्ति हेतु स्थापित **श्री कृष्ण मानव संचेतना सेवा फाउन्डेशन ट्रस्ट** भी अपने उद्देश्यों के साथ गतिशील है।

इस कार्य में मैं सहयोगी जनों की धर्म वृत्ति के उन्नयन एवं सुखद भविष्य की कामना करता हूँ। इस **प्रक्रिया** में मुझे अपनी पूज्यनीय माता **लीला निकुञ्जस्थ श्रीमती सुदेवी गौड़ एम0ए0, साहित्य रत्न, साहित्यालंकार** से जो प्रश्रय एवं प्रेरणा प्राप्त हुई, उसकी शाब्दिक अभिव्यक्ति कर पाना मेरे लिए संभव नहीं है।

ब्लाक-13, ग्रांउड फ्लोर, द्वारिका एनक्लेव, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) 211 001
मोबाइल - (+91) 9415308509, 8090001074
दूरभाष - (0532) 2618509
email : amitabhg98@yahoo.com / maharajshree19@gmail.com
visit us at www.astrospiritualsolutions.com / www.amitabhjimaharaj.in

प्रवर्तक
श्रीमद् भागवत कथा व्यास, प्राच्य ज्योतिर्विद्या मर्मज्ञ
वैष्णवाचार्य आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज



श्रीमद् भागवत प्रवचन के दौरान
आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज की भावपूर्ण स्थिति

परम पूज्य संत आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज परम भागवत ***डॉ0 देवी प्रसाद गौड़ प्रकाण्ड ज्योतिर्विद एवं श्रीमद् भागवतीय तंत्रविद*** के पुत्र हैं। अपने पिता के सुयोग्य मार्ग दर्शन में आपने ***विशिष्ट वैष्णव सिद्धान्तों*** के आश्रय से ***श्रीमद् भागवत*** का गहन अध्ययन किया है। इस प्रक्रिया को आपके मातृकुल की समृद्ध कथा-प्रवचन की परम्परा ने और संपोषित व परिवर्धित किया। भारत प्रसिद्ध श्रीमद् भागवत कथा प्रवक्ता वृन्दावनस्थ ***मन्माध्व गौड़ेश्वर वैष्णवाचार्य स्वर्गीय श्री अतुल कृष्ण गोस्वामी जी महाराज*** आचार्य जी के पूज्य मामा जी हैं। श्रीमद् भागवत के पूर्ण व्याख्यात्मक परिवेश को आपने उनसे ही आत्मसात किया है। उनकी सक्रिय प्रेरणा एवं आशीर्वाद से महाराज श्री भारतवर्ष के विभिन्न भागों में श्रीमद् भागवत की पवित्र कथा के माध्यम से ***श्री राधा कृष्ण नाम प्रचार*** करते हुए श्रीमद् भागवत के रस सिद्ध एवं गम्भीर वक्ता के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त कर रहे हैं। गंगा क्षेत्र में अपने शिविरों तथा अन्यत्र भी आप सामाजिक कार्यों में संलग्न रहते हैं। ***मानव सेवा माधव सेवा आपका मूल उद्देश्य है।***

महाराज श्री के व्यक्तित्व के विविध आयाम हैं। आधुनिक परिवेश की उच्च शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ अपने पिता गुरू से पारम्परिक ज्योतिष एवं तंत्र की विशिष्ट क्रियात्मक शिक्षा भी आपने प्राप्त की। श्रीमद् भागवत के तंत्र पक्ष में आपकी विशेष गति है। आप ज्योतिष में शोध प्रक्रिया से पूर्णतः अनुप्राणित हैं। ***चिकित्सा ज्योतिष एवं तंत्र सूत्रों*** में आपकी विशेष स्थिति है। इस प्रकार अपने व्यक्तित्व के विविध आयामों के साथ आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज जनहित में संलग्न है।

डॉ0 सतीश चंद्रा
आचार्य, इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय

AN INTRODUCTION TO MAHARAJSHREE

His Holiness Vaishnavacharya Aacharya Shree Amitabh ji Maharaj is a renowned figure in the context of Hindu Religion (Sanatan Dharma). He is remarkable orator. Through the lucid and contemporary explanation of the verses of ***Srimad Bhagavata (a widely acclaimed sacred Hindu scripture)*** *Maharajshree intends to impart the original and valuable traits of* ***Hindu Social and religious philosophy*** *upon those people who are suffering from worldly problems and seeking spiritual relief. His* ***Srimad Bhagavata Saptaha Katha*** *(Religious discourse on the above mentioned sacred book) is continuously being organised in various parts of India by his devoted desciples and many persons have benefited from it. A simple and decent personality holder Param Pujya Sant Vaisnavacharya shree Amitabh Ji Maharaj is a Jewel in the tradition of Vaishnava Parampara of* ***Bhagavan Shree Radha-Krishna Bhakti. Manava Sewa Madhava Sewa*** *is his central theme (Mantra). Maharaj Shree is multi dimensional figure. He is renowned* ***Oriental Astrologist and Srimad Bhagavatiya Tantravid*** *also and stablished* ***Dr. Devi Prasad Gaur Prachya Vidya Anusandhan Sansthan'*** *in the memory of his father - Guru Revered Dr. D. P. Gaur to promote the couse of* ***Hindu Oriental Sciences.*** *The institute is doing remarkable work like - (A) - Provision of Dr. D. P. Gaur National Awards in the fields of Astrology and Tantra for life time achievement and contribution as jurnalist in Astrology; (B) - Provision of Fellowships for the research students at University level related with Astrology and Tantra in the name of his Revered Father - Guru; (C) - To conduct National as well as international seminars to promote the cause stated above. An* ***Almanac (Panchang)*** *is regularly published by the institute which is destributed among the masses free of cost to regenerate the interest in Astrology and old traditions.*

An eminent Religious personality Sant Vaishnavacharya Aacharya Sri Amitabh Ji Maharaj is always prepared to shower his grace upon persons in need. His family has religious influence and has so many desciples to generate the ***true socio Religious cause.*** *Under the directions of rich* ***Vaishnava Doctrines*** *his family is doing well.*

Block-13, Ground Floor, Dwarika Enclave, Lukerganj, Prayagraj (U.P.) 211 001 India
Mobile : (+91)9415308509, 8090001074, (0532) 2618509
E-mail : amitabhg98@yahoo.com / maharajshree19@gmail.com
www.amitabhjimaharaj.in

डॉ0 देवी प्रसाद गौड़ प्राच्य विद्या अनुसंधान संस्थान (पंजीकृत)

एक परिचय

परम भागवत डॉ0 देवी प्रसाद गौड़ की स्मृति में **डॉ0 देवी प्रसाद गौड़ प्राच्य विद्या अनुसंन्धान संस्थान (पंजीकृत)** की स्थापना की गयी है, जो महामान्य श्री गौड़ के घोषित उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निरंतर प्रयासरत है। इस संस्था के लक्ष्य इस प्रकार है।

1. ज्योतिष के वैज्ञानिक संदर्भों की संपुष्टि करना एवं इस हेतु राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठियां आयोजित करना।
2. ज्योतिष के विविध पक्षों का प्रचार-प्रसार शैक्षणिक माध्यमों एवं इलेक्ट्रानिक माध्यमों द्वारा करना।
3. ज्योतिष में व्यक्ति के लाभ हेतु उपचारपरक शोध का आधार तैयार करना।
4. (अ) तंत्र के विविध पक्षों पर क्रियात्मक शोध की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करना।
   (ब) **श्रीमद् भागवत** में अंतर्हित तंत्र प्रक्रियाओं के अनुसंधान को गति प्रदान करना।
5. प्राचीन भारतीय भाषाओं जैसे संस्कृत, पाली आदि में लिखित प्राच्य विद्या संदर्भित ग्रंथों को अनुवादित कर जनता के समक्ष प्रस्तुत करना व उन पर से रहस्यावरण को समाप्त करना।
6. ज्योतिष व तंत्र के साथ समरूपता स्थापित करते हुये गूढ़ यौगिक साधनाओं के क्रियात्मक पक्षों का लोगों को सहज सुलभ ज्ञान प्रदान करना।
7. उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु **समृद्ध कोष** की स्थापना करना।

संस्थान द्वारा एक ***पंचांग*** का प्रकाशन किया जा रहा है जो जनसाधारण हेतु बोधगम्य होने के कारण विशिष्ट स्वीकृति प्राप्त कर रहा है। इस पंचांग का संपूर्ण भारतवर्ष में यहाँ तक कि विदेशों में भी निःशुल्क वितरण सम्पन्न किया जाता है। इस संस्था को उसके उद्देश्यों की पूर्ति हेतु दिये जाने वाले अंशदान का प्राच्य विद्याओं के उन्नयन में उपयोग होता है। संस्थान द्वारा 24.10.1999 को प्राच्य ज्योतिर्विद्या के विकास तथा राष्ट्रीय पुरस्कारों के वितरण हेतु प्रथम श्रेणी का अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष महासम्मेलन आयोजित किया गया। ज्योतिष महाकुंभ 2001 के सफल आयोजन में भी संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका व सहयोग रहा। संस्थान के तत्वाधान में प्रयाग के गंगा क्षेत्र में माघ मास के अवसर पर ज्ञान-सत्संग शिविर एवं निर्धनों हेतु भण्डारी आदि का आयोजन भी होता है। अर्द्धकुम्भ 2007 तथा महाकुम्भ 2013 के अवसर पर भी संस्थान द्वारा संगम क्षेत्र में वृहद रूप में भण्डारा आदि सार्वजनिक कार्य सम्पन्न किये गये। प्रत्येक वर्ष माघमेला प्रयाग तथा अन्य स्थलों पर भी संस्थान द्वारा अनेकानेक सामजिक धार्मिक क्रियाकलापों का क्रियान्वयन निरतरता में सम्पन्न किया जाता है।

श्रीमती सुदेवी गौड़
एम.ए. साहित्य रत्न, साहित्यालंकार
संरक्षिका/अध्यक्ष

श्रीमद् भागवत कथा व्यास, प्राच्य ज्योतिर्विद्या मर्मज्ञ
वैष्णवाचार्य आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज
उपाध्यक्ष

Block-13, Ground Floor, Dwarika Enclave, Lukerganj, Prayagraj (U.P.) 211 001 India
Mobile : (+91)9415308509, 8090001074, (0532) 2618509
E-mail : amitabhg98@yahoo.com / maharajshree19@gmail.com
www.amitabhjimaharaj.in

श्री कृष्ण मानव संचेतना सेवा फाउन्डेशन ट्रस्ट

एक परिचय

परम पूज्य संत आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज द्वारा अपने समर्पित शिष्यों एवं भक्तों के सहयोग से समस्त जनहित तथा मानव मात्र की सेवा के उद्देश्य से इस ट्रस्ट की स्थापना की गयी है। इसके अंतर्गत यथासंभव निःशुल्क चिकित्सकीय सुविधा, बृहद् स्तर पर विभिन विशेष अवसरों पर बिना किसी प्रतिबन्ध के पूर्ण भोजन प्रसाद वितरण की व्यवस्था की जाती है। महाराज श्री के पवित्र संरक्षण में उनके शिष्य इस उद्देश्य की पूर्ति में यथा संभव संलग्न रहते है। क्योंकि भोजन और चिकित्सा दो मूलभूत आधार हैं मानवता के संरक्षण हेतु।

ट्रस्ट के माध्यम से शैक्षणिक विशेषकर मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करने हेतु उपयुक्त संरचना विकसित करने पर भी बल दिया जा रहा है। जिसमें छात्रवृत्ति प्रदान करना तथा अन्य प्रकार से प्राच्य विद्याओं के संवर्द्धन तथा संरक्षण का प्रयास करना भी सम्मिलित है।

मानव विकास तथा उपयुक्त एवं सकारात्मक जीवन पद्धति के विकास तथा उसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु ट्रस्ट की अनेकों योजनायें हैं जो क्रमशः स्वरूप धारण करेंगी। इसके मानवीय लक्ष्यों की पूर्ति हेतु धर्मप्राण तथा समाजोन्मुखी लोग अपना योगदान निम्न एकाउंट नं0 में भारत के किसी भी क्षेत्र से जमा करा सकते हैं।

श्री कृष्ण मानव संचेतना सेवा फाउन्डेशन ट्रस्ट

स्टेट बैंक आफ इण्डिया, इलाहाबाद एकाउंट नं0 31282384607

IFSC Code / RTGS No. : SBIN0018245

Block-13, Ground Floor, Dwarika Enclave, Lukerganj, Prayagraj (U.P.) 211 001 India
Mobile : (+91)9415308509, 8090001074, (0532) 2618509
E-mail : amitabhg98@yahoo.com / maharajshree19@gmail.com
www.amitabhjimaharaj.in

श्री संवत 2081 - 9 अप्रैल 2024 से 29 मार्च 2025 पर्यन्त विविध मुहूर्त

वर्ष के प्रारम्भ में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा मंगलवार (9 अप्रैल 2024) से चैत्र शुक्ल षष्ठी रविवार (14 अप्रैल 2024) तक मीन संक्रान्ति होने से अशुद्धकाल है। ***तदुपरांत वैशाख कृष्ण चतुर्थी रविवार (28 अप्रैल 2024) दिन 4/57 तक शुद्ध काल है।*** इसके पश्चात शुक्रास्त दोष, गुर्वस्त दोष के कारण आषाढ़ कृष्ण अमावस्या 30 शुक्रवार 5 जुलाई 2024 तक अशुद्ध काल है। इसके पश्चात ***आषाढ शुक्ल अष्टमी रविवार (14 जुलाई 2024) तक शुद्धकाल है।*** तत्पश्चात मार्गशीर्ष कृष्ण प्रतिपदा शनिवार (16 नवम्बर 2024) तक चातुर्मास्य दोष के कारण अशुद्ध काल है। इसके उपरांत ***मार्गशीर्ष शुक्ल चतुर्दशी शनिवार (14 दिसम्बर 2024) तक शुद्ध काल है।*** तत्पश्चात खरमास (धनु संक्रान्ति) व करिदिन दोष के कारण माघ कृष्ण 2 द्वितीया बुधवार (15 जनवरी 2025) तक अशुद्ध काल है। इसके उपरांत ***फाल्गुन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी बुधवार (12 मार्च 2025) तक शुद्ध काल है।*** तदुपरांत खरमास (मीन संक्रान्ति) व होलिका दहन के कारण संवत्सर के अंत तक अशुद्ध काल है।

विवाह मुहूर्त

चैत्र शुक्ल पक्ष
9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2024

18 अप्रैल - तिथि 10 - गुरूवार
दिवा लग्न / रात्रि लग्न

19 अप्रैल - तिथि 11 - शुक्रवार
दिवा लग्न

20 अप्रैल - तिथि 12 - शनिवार

21 अप्रैल - तिथि 13 - रविवार
दिवा / रात्रि लग्न

22 अप्रैल - तिथि 14 - सोमवार
दिवा लग्न

23 अप्रैल - तिथि 15 - भौमवार

वैशाख कृष्ण पक्ष
24 अप्रैल से 8 मई 2024

26 अप्रैल - तिथि 2 - शुक्रवार
दिवा / रात्रि लग्न

28 अप्रैल - तिथि 4 - रविवार

आषाढ़ शुक्ल पक्ष
6 जुलाई से 21 जुलाई 2024

9 जुलाई - तिथि 3 - भौमवार
दिवा लग्न

11 जुलाई - तिथि 5 गुरूवार
दिवा लग्न

12 जुलाई - तिथि 6 - शुक्रवार
दिवा लग्न

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष
16 नवम्बर से 1 दिसम्बर 2024

23 नवम्बर - तिथि 8 शनिवार
दिवा लग्न

28 नवम्बर - तिथि 12 - गुरूवार
दिवा / रात्रि लग्न

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष
2 दिसम्बर से 15 दिसम्बर 2024

2 दिसम्बर - तिथि 1 - सोमवार
दिवा लग्न

9 दिसम्बर - तिथि 9 - सोमवार
दिवा - लग्न

माघ कृष्ण पक्ष
14 जनवरी से 29 जनवरी 2025

16 जनवरी - तिथि 3 - गुरूवार
दिवा लग्न

17 जनवरी - तिथि 4 - शुक्रवार
दिवा लग्न

18 जनवरी - तिथि 5 - शनिवार

21 जनवरी - तिथि 7 - भौमवार

22 जनवरी - तिथि 8 - बुधवार
दिवा लग्न

माघ शुक्ल पक्ष
30 जनवरी से 12 फरवरी 2025

3 फरवरी - तिथि 5 - सोमवार
दिवा लग्न

7 फरवरी - तिथि 10 - शुक्रवार
दिवा लग्न

फाल्गुन कृष्ण पक्ष
13 फरवरी से 28 फरवरी 2025

13 फरवरी - तिथि 1 - गुरूवार
दिवा लग्न

15 फरवरी - तिथि 3 - शनिवार
दिवा / रात्रि लग्न

16 फरवरी - तिथि 4 - रविवार
दिवा / रात्रि लग्न

18 फरवरी - तिथि 6 - भौमवार
दिवा / रात्रि लग्न

20 फरवरी - तिथि 7 - गुरूवार
दिवा / रात्रि

21 फरवरी - तिथि 8 - शुक्रवार

22 फरवरी - तिथि 9 - शनिवार
दिवा लग्न

25 फरवरी - तिथि 12 - भौमवार

फाल्गुन शुक्ल पक्ष
1 मार्च से 14 मार्च 2025

1 मार्च - तिथि 2 - शनिवार
दिवा / रात्रि लग्न

2 मार्च - तिथि 3 - रविवार
दिवा / रात्रि लग्न

3 मार्च - तिथि 4 - सोमवार
दिवा लग्न

6 मार्च - तिथि 7 - गुरूवार
दिवा लग्न

7 मार्च - तिथि 8 - शुक्रवार
दिवा लग्न

12 मार्च - तिथि 13 - बुधवार
दिवा लग्न

उपनयन (यज्ञोपवीत) मुहूर्त

18 अप्रैल, 26 अप्रैल, 16 जनवरी,
7 फरवरी, 14 फरवरी, 17 फरवरी
9 मार्च, 10 मार्च, 16 मार्च

चौल (मुण्डन) मुहूर्त

31 जनवरी

वधू प्रवेश द्विरागमन मुहूर्त

(पश्चिम / दक्षिण दिशा)
24 अप्रैल, 26 अप्रैल
(पूर्व / उत्तर दिशा)
27 नवम्बर, 28 नवम्बर, 2 दिसम्बर
5 दिसम्बर, 6 दिसम्बर, 17 फरवरी,
20 फरवरी, 10 मार्च

गृहारम्भ मुहूर्त

20 अप्रैल, 26 अप्रैल, 7 फरवरी
10 मार्च

गृह प्रवेश मुहूर्त समग्रतः

24 जनवरी, 7 फरवरी

गृह प्रवेश मुहूर्त

पुरातन एवं पुनः निर्मित पुरातन भवनों हेतु
यह गुरू - शुक्र अस्त में भी संभव है।
7 नवम्बर, 28 नवम्बर, 7 दिसम्बर,
22 जनवरी, 10 मार्च

ग्रहण (2024 - 2025)

विशेष सूचना - इस संवत्सर में कोई भी ग्रहण भारतवर्ष में परिलक्षित नहीं होगा। किसी भ्रम में न रहें।

(1) 18 सितम्बर का उप छाया चन्द्रग्रहण गुजरात व महाराष्ट्र में दिखने के बाद भी उसका कोई धार्मिक महत्व नहीं है।

(2) 14 मार्च 2025 का चन्द्र ग्रहण भी भारत में दृष्टिगत नहीं होगा। अतः उसकी यहाँ कोई मान्यता नहीं है।

(3) 2 अक्टूबर 2024 तथा 29 मार्च 2025 के सूर्य ग्रहण भी भारत में दिखाई नहीं देंगे। अतः उनकी भारत वर्ष में कोई धार्मिक या ज्योतिषीय मान्यता नहीं है।

परम पूज्य संत आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज के श्रीमद् भागवत प्रवचनों से संकलित कतिपय अमूल्य सूक्तियाँ

1. यह जीवन अमूल्य होते हुये भी क्षणभंगुर है अतः हरि नाम स्मरण से विमुखता उचित नहीं है।
2. सत्संग का एक क्षण भी चित्त के कल्मष को उसी प्रकार भस्म कर सकता है। जैसे एक चिंगारी रूई के गोदाम को भस्म कर देती है।
3. संसार में प्रत्येक संबन्ध का विकल्प है किन्तु माता-पिता का नहीं। अतः ईश्वर सदृश मान कर ही उनका सेवा - पूजन करना चाहिए।
4. लाभ प्राप्ति पुरूषार्थी का अधिकार है किन्तु किसी की हानि के मूल्य पर नहीं।
5. चित्त दर्पण के समान है। दर्पण कपड़े से साफ होता है। जबकि चित्त सत्संग - प्रवचन से।
6. किसी की किसी से तुलना मूर्खतापूर्ण है क्योंकि सभी स्वयं में अतुलनीय है।
7. बिना तुलना किये हुये अपने इष्ट का दर्शन सर्वत्र करने से भेद बुद्धि दोष नहीं होगा।

आग्रह

यद्यपि पिछले 27 वर्षों से प्रकाशित होने वाली इस सूचना का किसी पंचांग का अनुशीलन करने वाले ने कभी उपयोग नहीं किया है किन्तु एक जड़ कर्म के समान इसका प्रकाशन होता रहा है तथा इस पंचांग वर्ष में भी हो रहा है। संस्थान द्वारा प्रकाशित पंचांग का निःशुल्क वितरण, शैक्षणिक परंपरागत क्षेत्र में अनुसंधान वृत्ति को प्रोत्साहित करने, प्राच्य विद्याओं के विकास आदि कार्यों के साथ प्रतिवर्ष माघ मेला तथा समयानुरुप कुम्भ व अर्धकुम्भ मेलों में प्रयाग में ***भण्डारा, अन्न दान, वस्त्र दान, धर्मार्थ चिकित्सालय*** के संचालन तथा अन्य धार्मिक - सामाजिक कार्यों के क्रियान्वयन की परंपरा रही है। इन कार्यों को अधिक वृहद् स्तर पर करने हेतु धन की महती आवश्यकता है। अतः इस उद्देश्य हेतु आप मुक्त हृदय से ***'डॉ0 देवी प्रसाद गौड़ प्राच्य विद्या अनुसंधान संस्थान'*** के नाम ड्राफ्ट, चेक आदि प्रेषित कर एक सकारात्मक सामाजिक आंदोलन के क्रियात्मक सहभागी बन सकते हैं। आप स्वयं संस्था के बैंक एकाउंट में भारत के किसी भी स्थान से अपनी देय दान राशि स्थानांतरित कर सकते है।

संस्था का सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंण्डिया एकाउंट नम्बर - 1398763596

RTGS No. - C.B.I.N.0280184

इस उद्देश्य हेतु आप निम्न नंबरों पर भी संपर्क करे सकते हैं।

(+91) 9415308509, (+91) 8090001074, (0532) 2618509

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
9	मंगल	5/44	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 9/42	रेवती	दिन 7/56	वैधृति	दिन 3/1		मेष दिन 7/56पर	***वासंतीय नवरात्रारम्भ,*** घटस्थापन दिन 9/52 तक, ***अभिजित मुहूर्त दिन 11/31 से 12/21 तक, पंचक समाप्त दिन 7/56, शैल पुत्री दर्शन***
10	बुध	5/44	2	द्वितीया	रात्रि 7/49	अश्विनी भरणी	प्रातः 6/35 रात्रि 5/34	विष्कुम्भ	दिन 12/16			***ब्रह्मचारिणी दर्शन, श्री झूलेलाल जयन्ती***
11	गुरू	5/43	3	तृतीया	सायं 6/17	कृत्तिका	रात्रि 4/56	प्रीति	दिन 9/47		वृष दिन 11/47पर	***चूंद्रघण्टा दर्शन, मत्स्यावतार तृतीया, गणगौरी 3 व्रतम् (राजस्थान),*** सौभाग्य शयन 3 व्रतम्
12	शुक्र	5/43	4	चतुर्थी	सायं 5/12	रोहिणी	रात्रि 4/53	आयुष्मान	दिन 7/37	प्रातः 7/3 से सायं 5/12 तक		***कूष्माण्डा दर्शन,*** वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्
13	शनि	5/42	5	पंचमी	दिन 4/40	मृगशीर्ष	रात्रि 5/6	सौभाग्य शोभन	प्रातः 5/59 रात्रि 4/32		मिथुन दिन 4/59 पर	***स्कन्दमाता दर्शन, मेषस्थ सूर्य रात्रि 9/43 पर, मेष संक्रान्ति पुण्य काल दिन 3/43 से सूर्यास्त तक, श्री पंचमी, मीनावतार 5 पंचमी, सतुआ संक्रान्ति***
14	रवि	5/42	6	षष्ठी	दिन 4/25	आर्द्रा	समग्र	अतिगण्ड	रात्रि 3/27			***कात्यायिनी दर्शन***
15	सोम	5/41	7	सप्तमी	दिन 4/40	आर्द्रा	प्रातः 5/46	सुकर्मा	रात्रि 2/45	दिन 4/40 से रात्रिशेष 5/1 तक	कर्क रात्रि 12/36पर	***कालरात्रि दर्शन, महानिशा पूजन (अष्टमी रात्रि व्यापिनी)***
16	मंगल	5/40	8	अष्टमी	सायं 5/21	पुनर्वसु	प्रातः 6/54	धृति	रात्रि 2/24			***महागौरी दर्शन, श्री दुर्गाष्टमी***
17	बुध	5/39	9	नवमी	सायं 6/29	पुष्य	दिन 8/29	शूल	रात्रि 2/22			***दुर्गा नवमी, श्री राम नवमी 9, सिद्धिदात्री दर्शन, महानवमी, नवरात्र पूर्ण,*** नवरात्र पारण दिन 12/12 से सूर्यास्त तक
18	गुरु	5/39	10	दशमी	रात्रि 8/1	आश्लेषा	दिन 10/28	गण्ड	रात्रि 2/37		सिंह दिन 10/28 पर	***मतान्तर से नवरात्र पारण प्रातः***
19	शुक्र	5/38	11	एकादशी	रात्रि 9/49	मघा	दिन 12/45	वृद्धि	रात्रि 3/4	दिन 8/55 से रात्रि 9/49 तक		***कामदा एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्***
20	शनि	5/37	12	द्वादशी	रात्रि 11/47	पूर्वाफाल्गुनी	दिन 3/14	ध्रुव	रात्रि 3/37		कन्या रात्रि 9/52 पर	एकादशी पारण प्रातः 8/5 तक
21	रवि	5/36	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 1/46	उत्तराफाल्गुनी	सायं 5/46	व्याघात	रात्रि 4/9			***प्रदोष 13 व्रतम्, महावीर जयन्ती, अनङ्ग त्रयोदशी***
22	सोम	5/35	14	चतुर्दशी	रात्रि 3/38	हस्त	रात्रि 8/14	हर्षण	रात्रि 4/36	रात्रिशेष 3/38 से		
23	मंगल	5/35	15	पूर्णिमा	रात्रि 5/12	चित्रा	रात्रि 10/28	वज्र	रात्रि 4/50	दिन 4/25 तक	तुला दिन 9/24 पर	स्नान-दान 15 पूर्णिमा, ***वैशाख स्नान, दान, व्रत, यम, नियम प्रारम्भ***

अमृतसिद्धि योग - ता0 9 दिन 7/56 से, ता0 21 सायं 5/46 से / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 9 दिन 7/56 से, ता0 10 देर रात्रि 5/34 से, ता0 21 समग्र / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 20 दिन 3/14 से / ***यमघण्ट योग (यात्रा से निषिद्ध)*** - ता. 11 देर रात्रि 4/56 तक, ता0 12 देर रात्रि 4/53 तक / ***रवियोग (सर्वदोष नाशक)*** - ता0 10 देर रात्रि 5/34 से, ता0 11 देर रात्रि 4/53 से, ता0 13 रात्रि 9/43 तक, ता0 13 देर रात्रि 5/6 से, ता0 15 प्रातः 5/46 तक, ता0 17 दिन 8/29 से, ता0 19 दिन 12/45 तक, ता0 21 सायं 5/46 से, ता0 22 रात्रि 8/14 तक / ***यायीजयपद योग (वादी हेतु)*** - ता0 15 दिन 4/29 तक, ता0 21 दिवस पर्यन्त

सूर्य - मीनस्थ, रेवती; 13 अप्रैल से मेषस्थ, अश्विनी / ***भौम*** - कुम्भस्थ, शतभिषा; 11 अप्रैल से पूर्वाभाद्रपद / ***बुध*** - मीनस्थ, रेवती, वक्री, अस्त / ***गुरु*** - मेषस्थ, भरणी 4 चरण; 19 अप्रैल से कृत्तिका 1 चरण / ***शुक्र*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद; 13 अप्रैल से रेवती / ***शनि*** - कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद 1 चरण / ***राहु*** - मीनस्थ, रेवती 2 चरण; 20 अप्रैल से रेवती 1 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, हस्त 4 चरण; 20 अप्रैल से हस्त 3 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
24	बुध	5/35	1	प्रतिपदा पड़िवा	समग्र	स्वाती	रात्रि 12/22	सिद्धि	रात्रि 4/45			प्रपादान, 1, घटादिदान प्रतिपदा 1
25	गुरू	5/34	1	प्रतिपदा	प्रातः 6/24	विशाखा	रात्रि 1/48	व्यतिपात	रात्रि 4/18		वृश्चिक रात्रि 7/28 से	
26	शुक्र	5/33	2	द्वितीया	प्रातः 7/7	अनुराधा	रात्रि 2/44	वरीयान	रात्रि 3/26	रात्रि 7/6 से		
27	शनि	5/32	3	तृतीया	दिन 7/16	ज्येष्ठा	रात्रि 3/8	परिघ	रात्रि 2/9	दिन 7/16 तक	धनु रात्रि 3/8 पर	संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्, चंद्रोदय रात्रि 9/50
28	रवि	5/32	4	चतुर्थी	प्रातः 6/53	मूल	रात्रि 3/1	शिव	रात्रि 12/26			***शुक्र वार्धक्य प्रारम्भ दिन 4/57***
29	सोम	5/32	5 6	पंचमी षष्ठी	प्रातः 5/59 रात्रि 4/36	पूर्वाषाढ़	रात्रि 2/25	सिद्ध	रात्रि 10/20	रात्रिशेष 4/36 से		
30	मंगल	5/31	7	सप्तमी	रात्रि 2/49	उत्तराषाढ़	रात्रि 1/25	साध्य	रात्रि 7/54	दिन 3/42 तक	मकर दिन 8/13 पर	
1	बुध	5/30	8	अष्टमी	रात्रि 12/44	श्रवण	रात्रि 12/7	शुभ	सायं 5/13			***शुक्रास्त पूर्व दिन 4/57,*** शीतलाष्टमी
2	गुरु	5/29	9	नवमी	रात्रि 10/26	धनिष्ठा	रात्रि 10/35	शुक्ल	दिन 2/19		कुम्भ दिन 11/23 पर	***पंचक प्रारम्भ दिन 11/23***
3	शुक्र	5/29	10	दशमी	रात्रि 8/0	शतभिषा	रात्रि 8/55	ब्रह्म	दिन 11/17	दिन 9/13 से रात्रि 8/0 तक		
4	शनि	5/28	11	एकादशी	सायं 5/32	पूर्वाभाद्रपद	रात्रि 7/14	ऐन्द्र वैधृति	दिन 8/10 रात्रि 5/4		मीन दिन 1/39 पर	***वरुथिनी एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्, श्री वल्लभाचार्य जयन्ती***
5	रवि	5/27	12	द्वादशी	दिन 3/6	उत्तराभाद्रपद	सायं 5/35	विष्कुम्भ	रात्रि 2/2			***गुरू वार्धक्य प्रारम्भ रात्रि 7/4,*** एकादशी पारण दिन 7/57 तक, ***प्रदोष 13 व्रतम्***
6	सोम	5/27	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 12/47	रेवती	दिन 4/3	प्रीति	रात्रि 11/8	दिन 12/47 से रात्रि 11/42 तक	मेष दिन 4/3 पर	***पंचक समाप्त दिन 4/3,*** मास शिवरात्रि 14 व्रतम्
7	मंगल	5/27	14	चतुर्दशी	दिन 10/38	अश्विनी	दिन 2/44	आयुष्मान	रात्रि 8/26			श्राद्ध अमावस्या 30
8	बुध	5/27	30	अमावस्या	दिन 8/45	भरणी	दिन 1/41	सौभाग्य	सायं 5/57		वृष रात्रि 7/28 पर	***गुर्वस्त पश्चिम रात्रि 7/4,*** स्नान, दान, अमावस्या 30, ***सतुआ अमावस्या 30***

अमृतसिद्धि योग - ता0 7 दिन 2/44 तक / ***सर्वार्थसिद्धि योग -*** ता0 25 देर रात्रि 1/48 से, ता0 26 देर रात्रि 2/44 तक, ता0 28 देर रात्रि 3/1 तक, ता0 5 सायं 5/35 तक, ता0 7 दिन 2/44 तक, ता0 8 दिन 1/41 से / ***त्रिपुष्कर योग -*** ता0 4 सायं 5/32 से रात्रि 7/14 तक / ***रवियोग (सर्वदोष नाशक) -*** ता0 29 देर रात्रि 2/25 से, ता0 30 देर रात्रि 1/25 तक / ***यायीजयपद योग (वादी हेतु) -*** ता0 2 दिवस पर्यन्त, ता0 5 दिन 3/6 से, ता0 6 दिन 12/46 तक

सूर्य - मेषस्थ, अश्विनी; 27 अप्रैल से भरणी / ***भौम -*** कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद; 24 अप्रैल से मीनस्थ; 28 अप्रैल से उत्तराभाद्रपद / ***बुध -*** मीनस्थ, रेवती, वक्री, अस्त; 25 अप्रैल से मार्गी; 26 अप्रैल को पूर्वोदय / ***गुरु -*** मेषस्थ, कृत्तिका 1 चरण; 2 मई से वृषस्थ, कृत्तिका 2 चरण; 8 मई को पश्चिमास्त / ***शुक्र*** - मीनस्थ, रेवती; 24 अप्रैल से मेषस्थ, अश्विनी; 1 मई को पूर्वास्त; 5 मई को भरणी / ***शनि -*** कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद 1 चरण / ***राहु -*** मीनस्थ, रेवती 1 चरण / ***केतु -*** कन्यास्थ, हस्त 3 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
9	गुरू	5/26	1	प्रतिपदा पड़िवा	दिन 7/11	कृत्तिका	दिन 12/57	शोभन	दिन 3/44			
10	शुक्र	5/25	2 3	द्वितीया तृतीया	प्रातः 6/0 रात्रि 5/16	रोहिणी	दिन 12/36	अतिगण्ड	दिन 1/51		मिथुन रात्रि 12/36 पर	*रोहिणी योगवती अक्षय तृतीया 3 (आखा तीज), परशुराम जयन्ती*
11	शनि	5/25	4	चतुर्थी	रात्रि 4/57	मृगशीर्ष	दिन 12/42	सुकर्मा	दिन 12/18	सायं 5/27से रात्रिशेष 4/57 तक		वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्
12	रवि	5/24	5	पंचमी	रात्रि 5/10	आर्द्रा	दिन 1/16	धृति	दिन 11/9			*आद्य जगद्गुरू श्री शंकराचार्य जयन्ती 5*
13	सोम	5/24	6	षष्ठी	समग्र	पुनर्वसु	दिन 2/18	शूल	दिन 10/22		कर्क दिन 7/58 पर	*श्री रामानुजाचार्य जयन्ती 6*
14	मंगल	5/23	6	षष्ठी	प्रातः 5/51	पुष्य	दिन 3/48	गण्ड	दिन 9/58			*गंगा सप्तमी (मध्यान्ह व्यापिनी) षष्ठी, वृषस्थ सूर्य सायं 6/12 पर, वृष संक्रान्ति पुण्य काल दिन 11/48 से सायं 6/12 तक*
15	बुध	5/23	7	सप्तमी	दिन 6/58	आश्लेषा	सायं 5/42	वृद्धि	दिन 9/55	प्रातः 6/58 से सायं 6/59 तक	सिंह सायं 5/42 पर	
16	गुरू	5/22	8	अष्टमी	दिन 8/30	मघा	रात्रि 7/57	ध्रुव	दिन 10/9			*बगलामुखी जयन्ती 8, जानकी नवमी 9 (मध्यान्ह व्यापिनी)*
17	शुक्र	5/22	9	नवमी	दिन 10/19	पूर्वाफाल्गुनी	रात्रि 10/24	व्याघात	दिन 10/36		कन्या रात्रि 5/2 पर	
18	शनि	5/21	10	दशमी	दिन 12/16	उत्तराफाल्गुनी	रात्रि 12/58	हर्षण	दिन 11/10	रात्रि शेष 1/15 से		
19	रवि	5/21	11	एकादशी	दिन 2/13	हस्त	रात्रि 3/28	वज्र	दिन 11/45	दिन 2/13 तक		*मोहिनी एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्*
20	सोम	5/20	12	द्वादशी	दिन 4/3	चित्रा	समग्र	सिद्धि	दिन 12/15		तुला दिन 4/38 पर	*सोम प्रदोष 13 व्रतम् (कुल देवता प्रसन्नता हेतु)*
21	मंगल	5/20	13	त्रयोदशी प्रदोष	सायं 5/35	चित्रा	प्रातः 5/46	व्यतिपात	दिन 12/32			*श्री नृसिंह जयन्ती 14 चतुर्दशी (प्रदोष व्यापिनी)*
22	बुध	5/20	14	चतुर्दशी	सायं 6/43	स्वाती	दिन 7/43	वरीयान	दिन 12/32	सायं 6/43 से	वृश्चिक रात्रि 2/54 पर	
23	गुरु	5/18	15	पूर्णिमा	रात्रि 7/23	विशाखा	दिन 9/14	परिघ	दिन 12/10	प्रातः 7/2 तक		स्नान, दान, व्रत पूर्णिमा 15, *श्री राधारमण जयन्ती, बुद्ध पूर्णिमा, वैशाख स्नान, दान, व्रत, यम, नियम समाप्त*

अमृतसिद्धि योग - ता0 19 देर रात्रि 3/28 तक / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 13 दिन 2/18 से, ता0 14 दिन 3/48 से, ता0 19 देर रात्रि 3/28 तक, ता0 23 दिन 9/14 से / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 20 देर रात्रि 3/28 से / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 9 दिन 12/57 तक, ता0 10 दिन 12/36 तक, ता0 18 देर रात्रि 12/58 से / ***रवियोग (सर्व दोष नाशक)*** - ता0 10 दिन 12/36 से, ता0 11 दिन 7/27 तक, ता0 11 दिन 12/42 से ता0 12 दिन 1/16 तक, ता0 13 दिन 2/18 से ता0 14 दिन 3/48 तक, ता0 16 रात्रि 7/57 से ता0 18 देर रात्रि 12/58 तक, ता0 21 प्रातः 5/46 से ता0 22 दिन 7/43 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** - ता0 12 दिन 1/16 से, ता0 18 दिन 12/16 से

सूर्य - मेषस्थ, भरणी; 11 मई से कृत्तिका; 14 मई से वृषस्थ / ***भौम*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद; 16 मई से रेवती / ***बुध*** - मीनस्थ, रेवती; 10 मई से मेषस्थ, अश्विनी; 21 मई से भरणी / ***गुरु*** - वृषस्थ, कृत्तिका 2 चरण, अस्त; 16 मई से कृत्तिका 3 चरण / ***शुक्र*** - मेषस्थ, भरणी, अस्त; 15 मई से कृत्तिका; 18 मई से वृषस्थ / ***शनि*** - कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद 1 चरण ; 16 मई से पूर्वाभाद्रपद 2 चरण / ***राहु*** - मीनस्थ, रेवती 1 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, हस्त 3 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
24	शुक्र	5/18	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 7/30	अनुराधा	दिन 10/15	शिव	दिन 11/25			
25	शनि	5/18	2	द्वितीया	सायं 7/5	ज्येष्ठा	दिन 10/44	सिद्ध	दिन 10/13		धनु दिन 10/44 पर	
26	रवि	5/18	3	तृतीया	सायं 6/10	मूल	दिन 10/42	साध्य	दिन 8/37	प्रातः 6/37 से सायं 6/10 तक		संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम, चंद्रोदय रात्रि 9/40
27	सोम	5/17	4	चतुर्थी	दिन 4/47	पूर्वाषाढ़	दिन 10/12	शुभ शुक्ल	प्रातः 6/38 रात्रि 4/16		मकर दिन 3/59 पर	
28	मंगल	5/17	5	पंचमी	दिन 3/1	उत्तराषाढ़	दिन 9/17	ब्रह्म	रात्रि 1/37			
29	बुध	5/17	6	षष्ठी	दिन 12/56	श्रवण	दिन 8/3	ऐन्द्र	रात्रि 10/46	दिन 12/56 से रात्रि 11/47 तक	कुम्भ रात्रि 7/19 पर	***पंचक प्रारम्भ रात्रि 7/19***
30	गुरू	5/17	7	सप्तमी	दिन 10/38	धनिष्ठा शतभिषा	प्रातः 6/34 रात्रि 4/55	वैधृति	रात्रि 7/46			
31	शुक्र	5/17	8	अष्टमी	दिन 8/12	पूर्वाभाद्रपद	रात्रि 3/13	विष्कुम्भ	दिन 4/42		मीन रात्रि 9/39 पर	शीतलाष्टमी 8
1	शनि	5/15	9 10	नवमी दशमी	प्रातः 5/42 रात्रि 3/15	उत्तराभाद्रपद	रात्रि 1/33	प्रीति	दिन 1/37	दिन 4/28 से रात्रि शेष 3/15 तक		
2	रवि	5/15	11	एकादशी	रात्रि 12/54	रेवती	रात्रि 12/0	आयुष्मान	दिन 10/34		मेष रात्रि 12/0 पर	***पंचक समाप्त रात्रि 12/0, अपरा एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्***
3	सोम	5/15	12	द्वादशी	रात्रि 10/45	अश्विनी	रात्रि 10/37	सौभाग्य शोभन	दिन 3/38 रात्रि 4/52			एकादशी पारण दिन 7/51 तक
4	मंगल	5/15	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 8/50	भरणी	रात्रि 9/29	अतिगण्ड	रात्रि 2/21	रात्रि 8/50 से	वृष रात्रि 3/14 पर	***गुरू पूर्वोदय रात्रि शेष 4/22, भौम प्रदोष 13 व्रतम् (ऋणमुक्ति हेतु),*** मास शिवरात्रि 14 व्रतम्
5	बुध	5/15	14	चतुर्दशी	रात्रि 7/15	कृत्तिका	रात्रि 8/41	सुकर्मा	रात्रि 12/6	दिन 8/3 तक		
6	गुरू	5/15	30	अमावस्या	सायं 6/2	रोहिणी	रात्रि 8/15	धृति	रात्रि 10/9			स्नान, दान, श्राद्ध अमावस्या 30, ***वट सावित्री व्रतम् 30***

सर्वार्थसिद्धि योग - ता0 24 दिन 10/15 तक, ता0 26 दिन 10/42 तक, ता0 2 देर रात्रि 12/0 से, ता0 4 रात्रि 9/29 से, ता0 5 समग्र / ***रवि योग (सर्व दोष नाशक)*** - ता0 29 दिन 8/3 से, ता0 30 प्रातः 6/34 तक / ***यायीजयपद्र योग (वादी हेतु)*** ता0 2 दिवस पर्यन्त

सूर्य - वृषस्थ, कृत्तिका; 24 मई से रोहिणी / ***भौम*** - मीनस्थ, रेवती; 2 जून से मेषस्थ, अश्विनी / ***बुध*** - मेषस्थ, भरणी; 29 मई से कृत्तिका; 31 मई से वृषस्थ; 3 जून को पूर्वास्त; 5 जून को रोहिणी / ***गुरु*** - वृषस्थ, कृत्तिका 3 चरण, अस्त; 30 मई से कृत्तिका 4 चरण, 4 जून को पूर्वोदय / ***शुक्र*** - वृषस्थ, कृत्तिका, अस्त; 26 मई से रोहिणी; 6 जून से मृगशीर्ष / ***शनि*** - कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद 2 चरण / ***राहु*** - मीनस्थ, रेवती 1 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, हस्त 3 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
7	शुक्र	5/14	1	प्रतिपदा पड़िवा	सायं 5/15	मृगशीर्ष	रात्रि 8/14	शूल	रात्रि 8/34		मिथुन दिन 8/9 पर	*गुरू बालत्व समाप्त रात्रि शेष 1/6, गंगा दशहरा प्रारम्भ, दशाश्वमेध दश दिवसीय स्नान प्रारम्भ*
8	शनि	5/14	2	द्वितीया	दिन 4/56	आर्द्रा	रात्रि 8/42	गण्ड	रात्रि 7/21			सोपपदा द्वितीया
9	रवि	5/14	3	तृतीया	सायं 5/6	पुनर्वसु	रात्रि 9/38	वृद्धि	सायं 6/32		कर्क दिन 3/21 पर	रम्भा व्रतम् तृतीया 3
10	सोम	5/14	4	चतुर्थी	सायं 5/46	पुष्य	रात्रि 11/3	ध्रुव	सायं 6/5	प्रातः 5/25से सायं5/46 तक		वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्
11	मंगल	5/14	5	पंचमी	रात्रि 6/52	आश्लेषा	रात्रि 12/54	व्याघात	सायं 6/0		सिंह रात्रि 12/54 पर	
12	बुध	5/14	6	षष्ठी	रात्रि 8/22	मघा	रात्रि 3/5	हर्षण	सायं 6/13			
13	गुरू	5/13	7	सप्तमी	रात्रि 10/10	पूर्वाफाल्गुनी	समग्र	वज्र	रात्रि 6/39	रात्रि 10/10 से		
14	शुक्र	5/13	8	अष्टमी	रात्रि 12/6	पूर्वाफाल्गुनी	प्रातः 5/32	सिद्धि	रात्रि 7/14	दिन 11/7 तक	कन्या दिन 12/11 पर	***मिथुनस्थ सूर्य रात्रिशेष 12/29 पर, मिथुन संक्रान्ति पुण्यकाल दिन 11/56 से सूर्यास्त तक***
15	शनि	5/13	9	नवमी	रात्रि 2/3	उत्तराफाल्गुनी	दिन 8/6	व्यतिपात	रात्रि 7/51			
16	रवि	5/13	10	दशमी	रात्रि 3/52	हस्त	दिन 10/38	वरीयान	रात्रि 8/22		तुला रात्रि 11/49पर	***गंगा दशहरा 10, दशाश्वमेध स्नान***
17	सोम	5/13	11	एकादशी	समग्र	चित्रा	दिन 12/57	परिघ	रात्रि 8/42	दिन 4/29 से		***निर्जला एकादशी 11 व्रतम् स्मार्त***
18	मंगल	5/13	11	एकादशी	प्रातः 5/24	स्वाती	दिन 2/58	शिव	रात्रि 8/45	प्रात 5/24 तक		***निर्जला एकादशी 11 व्रतम् वैष्णव,*** स्मार्त एकादशी व्रत पारण प्रातः 6/32 तक
19	बुध	5/13	12	द्वादशी	प्रातः 6/32	विशाखा	दिन 4/33	सिद्ध	रात्रि 8/27		वृश्चिक दिन 10/14 पर	
20	गुरू	5/13	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 7/10	अनुराधा	सायं 5/39	साध्य	रात्रि 7/45			
21	शुक्र	5/13	14	चतुर्दशी	दिन 7/17	ज्येष्ठा	सायं 6/14	शुभ	रात्रि 6/37	दिन 7/17 से रात्रि 7/3 तक	धनु सायं 6/14 पर	व्रत पूर्णिमा 15
22	शनि	5/13	15	पूर्णिमा	दिन 6/51	मूल	सायं 6/17	शुक्ल	सायं 5/5			स्नान, दान, पूर्णिमा 15, ***तिल, छाता, जूता दान पुण्य फलद, संत कबीर जयन्ती***

अमृतसिद्धि योग - ता0 19 दिन 4/33 से / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 9 रात्रि 9/38 से, ता0 10 रात्रि 11/3 तक, ता0 11 देर रात्रि 12/54 तक, ता0 16 दिन 10/38 तक, ता0 19 दिन 4/33 से, ता0 20 दिन 5/39 तक / ***त्रिपुष्कर योग***- ता0 18 दिन 2/58 से / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 15 दिन 8/6 से / ***रवियोग (सर्वदोष नाशक)*** - ता0 9 रात्रि 3/38 से, ता0 10 रात्रि 11/3 तक, ता0 11 देर रात्रि 12/54 से ता0 12 देर रात्रि 3/5 तक, ता0 15 दिन 8/6 से, ता0 17 दिन 12/57 तक, ता0 19 दिन 4/33 से ता0 20 सायं 5/39 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** - ता0 9 सायं 5/6 तक, ता0 15 दिवस पर्यन्त, ता0 17 दिन 12/57 से

सूर्य - वृषस्थ, रोहिणी; 7 जून से मृगशीर्ष; 14 जून से मिथुनस्थ; 21 जून से आर्द्रा / ***भौम*** - मेषस्थ, अश्विनी; 20 जून से भरणी / ***बुध*** - वृषस्थ, रोहिणी, अस्त; 11 जून से मृगशीर्ष; 14 जून से मिथुनस्थ; 17 जून से आर्द्रा / ***गुरु*** - वृषस्थ, कृत्तिका 4 चरण; 13 जून से रोहिणी 1 चरण / ***शुक्र*** - वृषस्थ, मृगशीर्ष, अस्त; 12 जून से मिथुनस्थ; 17 जून से आर्द्रा / ***शनि*** - कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद 2 चरण / ***राहु*** - मीनस्थ, रेवती 1 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, हस्त 3 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
23	रवि	5/13	1 2	प्रतिपदा द्वितीया	प्रातः 5/55 रात्रि 4/31	पूर्वाषाढ़	सायं 5/52	ब्रह्म	दिन 3/9		मकर रात्रि 11/42 पर	
24	सोम	5/13	3	तृतीया	रात्रि 2/43	उत्तराषाढ़	दिन 5/2	ऐन्द्र	दिन 12/52	दिन 3/37 से रात्रिशेष 2/43 तक		
25	मंगल	5/14	4	चतुर्थी	रात्रि 12/38	श्रवण	दिन 3/52	वैधृति	दिन 10/19		कुम्भ रात्रि 3/11 पर	अङ्गारकी संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम, चंद्रोदय रात्रि 9/59, ***पंचक प्रारम्भ रात्रिशेष 3/11***
26	बुध	5/14	5	पंचमी	रात्रि 10/20	धनिष्ठा	दिन 2/26	विष्कुम्भ प्रीति	प्रातः 7/31 रात्रि 4/33			
27	गुरू	5/14	6	षष्ठी	रात्रि 7/54	शतभिषा	दिन 12/50	आयुष्मान	रात्रि 1/29	रात्रि 7/54 से		***शुक्र पश्चिमोदय रात्रि 7/9***
28	शुक्र	5/14	7	सप्तमी	सायं 5/25	पूर्वाभाद्रपद	दिन 11/9	सौभाग्य	रात्रि 10/25	प्रातः 6/39 तक	मीन प्रातः 5/35 पर	
29	शनि	5/14	8	अष्टमी	दिन 2/57	उत्तराभाद्रपद	दिन 9/29	शोभन	रात्रि 7/22			शीतलाष्टमी 8
30	रवि	5/14	9	नवमी	दिन 12/35	रेवती	दिन 7/53	अतिगण्ड	दिन 4/26	रात्रि 11/29 से	मेष दिन 7/53 पर	***शुक्र बालत्व समाप्ति रात्रि 7/9, पंचक समाप्त दिन 7/53***
1	सोम	5/14	10	दशमी	दिन 10/24	अश्विनी भरणी	प्रातः 6/26 रात्रि 5/11	सुकर्मा	दिन 1/38	दिन 10/24 तक		
2	मंगल	5/14	11	एकादशी	दिन 8/27	कृत्तिका	रात्रि 4/21	धृति	दिन 11/3		वृष दिन 11/0 पर	***योगिनी एकादशी व्रतम् सर्वेषाम् (कुष्ठादि से निवृत्ति हेतु)***
3	बुध	5/14	12	द्वादशी	प्रातः 6/48	रोहिणी	रात्रि 3/49	शूल	दिन 8/43			एकादशी पारण प्रातः 6/48 तक, ***प्रदोष 13 व्रतम्***
4	गुरू	5/15	13 14	त्रयोदशी चतुर्दशी	प्रातः 5/35 रात्रि 4/45	मृगशीर्ष	रात्रि 3/43	गण्ड वृद्धि	प्रातः 6/42 रात्रि 5/3	प्रातः 5/35 से दिन 4/50 तक	मिथुन दिन 3/45 पर	मास शिवरात्रि 14 व्रतम्
5	शुक्र	5/15	30	अमावस्या	रात्रि 4/25	आर्द्रा	रात्रि 4/5	ध्रुव	रात्रि 3/47			स्नान, दान श्राद्ध अमावस्या 30

सर्वार्थसिद्धि योग - ता0 23 सायं 5/52 से, ता0 24 दिन 5/2 से, ता0 30 दिन 7/53 से, ता0 2 देर रात्रि 4/21 तक, ता0 3 समग्र, ता0 5 देर रात्रि 4/5 से / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 23 सायं 5/52 से देर रात्रि 4/31 तक, ता0 2 दिन 8/27 से देर रात्रि 4/21 तक / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 27 दिन 12/50 से ता0 28 दिन 11/9 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** - ता0 24 दिन 5/2 तक, ता0 29 दिन 2/57 से, ता0 30 दिन 7/53 तक, ता0 1 दिन 10/24 से

सूर्य - मिथुनस्थ, आर्द्रा; 5 जुलाई से पुनर्वसु / ***भौम*** - मेषस्थ, भरणी / ***बुध*** - मिथुनस्थ, आर्द्रा, अस्त; 24 जून से पुनर्वसु, पश्चिमोदय; 29 जून से कर्कस्थ; 1 जुलाई से पुष्य / ***गुरु*** - वृषस्थ, रोहिणी 1 चरण; 28 जून से रोहिणी 2 चरण / ***शुक्र*** - मिथुनस्थ, आर्द्रा, अस्त; 27 जून से पश्चिमोदय ; 28 जून से पुनर्वसु / ***शनि*** - कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद 2 चरण; 29 जून से वक्री / ***राहु*** - मीनस्थ, रेवती 1 चरण; 23 जून से उत्तराभाद्रपद 4 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, हस्त 3 चरण; 23 जून से हस्त 2 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
6	शनि	5/15	1	प्रतिपदा पडिवा	रात्रि 4/35	पुनर्वसु	रात्रि 4/56	व्याघात	रात्रि 2/55		कर्क रात्रि 10/43 पर	***आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा गुप्त नवरात्र प्रारम्भ***
7	रवि	5/15	2	द्वितीया	रात्रि 5/14	पुष्य	समग्र	हर्षण	रात्रि 2/26			***रथयात्रा द्वितीया 2, जगन्नाथ रथयात्रा 2, श्री राम बलराम सुभद्रा रथोत्सव***
8	सोम	5/15	3	तृतीया	समग्र	पुष्य	प्रातः 6/16	वज्र	रात्रि 2/19			
9	मंगल	5/16	3	तृतीया	प्रातः 6/21	आश्लेषा	दिन 8/4	सिद्धि	रात्रि 2/31	रात्रि 7/7 से	सिंह दिन 8/4 पर	अंङ्गारकी वैनायकी गणेश चतुर्थी
10	बुध	5/16	4	चतुर्थी	दिन 7/53	मघा	दिन 10/14	व्यतिपात	रात्रि 2/57	दिन 7/53 तक		
11	गुरू	5/17	5	पंचमी	दिन 9/40	पूर्वाफाल्गुनी	दिन 12/40	वरीयान	रात्रि 3/32		कन्या रात्रि 7/19 पर	
12	शुक्र	5/17	6	षष्ठी	दिन 11/37	उत्तराफाल्गुनी	दिन 3/14	परिघ	रात्रि 4/9			
13	शनि	5/17	7	सप्तमी	दिन 1/33	हस्त	सायं 5/46	शिव	रात्रि 4/42	दिन 1/33 से रात्रिशेष 2/27 तक		
14	रवि	5/17	8	अष्टमी	दिन 3/22	चित्रा	रात्रि 8/8	सिद्ध	रात्रि 5/5		तुला दिन 7/0 पर	
15	सोम	5/17	9	नवमी	दिन 4/53	स्वाती	रात्रि 10/13	साध्य	रात्रि 5/11			***आषाढ़ शुक्ल नवमी गुप्त नवरात्र पूर्ण***
16	मंगल	5/18	10	दशमी	सायं 5/59	विशाखा	रात्रि 11/53	शुभ	रात्रि 4/56		वृश्चिक सायं5/30 पर	***कर्कस्थ सूर्य दिन 11/24 पर, कर्क संक्रान्ति पुण्य काल दिन 11/24 तक, दक्षिणायन प्रारम्भ***
17	बुध	5/18	11	एकादशी	सायं 6/37	अनुराधा	रात्रि 1/4	शुक्ल	रात्रि 4/17	प्रातः 6/18 से सायं 6/37 तक		***विष्णु शयनी एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्, चातुर्मास्य व्रतारम्भ***
18	गुरु	5/19	12	द्वादशी	सायं 6/43	ज्येष्ठा	रात्रि 1/44	ब्रह्म	रात्रि 3/12		धनु रात्रि 1/44 पर	एकादशी व्रत पारण दिन 8/1 तक , ***प्रदोष 13 व्रतम्***
19	शुक्र	5/19	13	त्रयोदशी प्रदोष	सायं 6/18	मूल	रात्रि 1/52	ऐन्द्र	रात्रि 1/42			
20	शनि	5/20	14	चतुर्दशी	सायं 5/22	पूर्वाषाढ़	रात्रि 1/32	वैधृति	रात्रि 11/49	सायं 5/22 से रात्रिशेष 4/40 तक		व्रत पूर्णिमा
21	रवि	5/20	15	पूर्णिमा	दिन 4/0	उत्तराषाढ़	रात्रि 12/46	विष्कुम्भ	रात्रि 9/35		मकर दिन 7/25 पर	स्नान, दान,पूर्णिमा 15, ***व्यास गुरू पूजन 15 पूर्णिमा, सन्यासी चातुर्मास्य प्रारम्भ***

अमृतसिद्धि योग - ता0 17 देर रात्रि 1/4 तक / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 7 समग्र, ता0 8 प्रातः 6/16 तक, ता0 9 दिन 8/4 तक, ता0 17 देर रात्रि 1/4 तक / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 6 देर रात्रि 4/35 से देर रात्रि 4/56 तक / ***यमघण्ट योग (वादी हेतु)*** - ता0 13 सायं 5/43 तक, ता0 15 रात्रि 10/13 से / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 9 दिन 8/4 से ता0 10 दिन 10/14 तक, ता0 11 दिन 12/40 से ता0 12 दिन 3/14 तक, ता0 14 रात्रि 8/8 से, ता0 16 रात्रि 11/53 तक, ता0 18 देर रात्रि 1/44 से ता0 19 रात्रि 11/15 तक, ता0 19 देर रात्रि 1/52 से ता0 20 देर रात्रि 1/32 तक / ***यायीजयपदयोग (वादी हेतु)*** - ता0 6 दिवस पर्यन्त, ता08 दिवस पर्यन्त, ता0 13 दिन 1/34 तक, ता0 15 दिन 4/53 तक, ता0 21 दिवस पर्यन्त

सूर्य - मिथुनस्थ, पुनर्वसु; 16 जुलाई से कर्कस्थ; 19 जुलाई से पुष्य / ***भौम*** - मेषस्थ, भरणी; 9 जुलाई से कृत्तिका; 13 जुलाई से वृषस्थ / ***बुध*** - कर्कस्थ, पुष्य; 9 जुलाई से आश्लेषा; 19 जुलाई से सिंहस्थ, मघा / ***गुरु*** - वृषस्थ, रोहिणी 2 चरण; 14 जुलाई से रोहिणी 3 चरण / ***शुक्र*** - मिथुनस्थ, पुनर्वसु; 6 जुलाई से कर्कस्थ; 9 जुलाई से पुष्य; 20 जुलाई से आश्लेषा / ***शनि*** - कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद्र 2 चरण, वक्री / ***राहु*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद 4 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, हस्त 2 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
22	सोम	5/21	1	प्रतिपदा पड़िवा	दिन 2/16	श्रवण	रात्रि 11/40	प्रीति	रात्रि 7/3			अशून्य शयन व्रतम् द्वितीया 2, चंद्रोदय रात्रि 7/54, ***प्रथम श्रावण सोमवार व्रतम्***
23	मंगल	5/21	2	द्वितीया	दिन 12/13	धनिष्ठा	रात्रि 10/17	आयुष्मान	दिन 4/18	रात्रि 11/14 से	कुम्भ दिन 11/1 पर	***पंचक प्रारंभ दिन 11/1***
24	बुध	5/22	3	तृतीया	दिन 9/56	शतभिषा	रात्रि 8/44	सौभाग्य	दिन 1/23	दिन 9/56 तक		संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम, चंद्रोदय रात्रि 9/13
25	गुरू	5/22	4 5	चतुर्थी पंचमी	दिन 7/31 रात्रि 5/2	पूर्वाभाद्रपद	रात्रि 7/4	शोभन	दिन 10/21		मीन दिन 1/29 पर	
26	शुक्र	5/23	6	षष्ठी	रात्रि 2/35	उत्तराभादप्रद	सायं 5/24	अतिगण्ड सुकर्मा	प्रातः 7/16 रात्रि 4/12	रात्रिशेष 2/35 से		
27	शनि	5/23	7	सप्तमी	रात्रि 12/13	रेवती	दिन 3/47	धृति	रात्रि 1/14	दिन 1/24 तक	मेष दिन 3/47 पर	***पंचक समाप्त दिन 3/47***
28	रवि	5/24	8	अष्टमी	रात्रि 10/2	अश्विनी	दिन 2/18	शूल	रात्रि 10/25			
29	सोम	5/24	9	नवमी	रात्रि 8/5	भरणी	दिन 1/3	गण्ड	रात्रि 7/48		वृष सायं 6/47 पर	***द्वितीय श्रावण सोमवार व्रतम्***
30	मंगल	5/25	10	दशमी	सायं 6/27	कृत्तिका	दिन 12/5	वृद्धि	दिन 5/25	दिन 7/17 से सायं 6/27 तक		
31	बुध	5/25	11	एकादशी	सायं 5/11	रोहिणी	दिन 11/28	ध्रुव	दिन 3/21		मिथुन रात्रि 11/19 पर	***कामदा एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्***
1	गुरू	5/26	12	द्वादशी	दिन 4/22	मृगशीर्ष	दिन 11/16	व्याघात	दिन 1/37			***प्रदोष 13 व्रतम्*** , एकादशी व्रत पारण प्रातः 8/6 तक
2	शुक्र	5/26	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 4/2	आर्द्रा	दिन 11/33	हर्षण	दिन 12/17	दिन 4/2 से रात्रिशेष 3/53 तक		मासशिवरात्रि 14 व्रतम्
3	शनि	5/27	14	चतुर्दशी	दिन 4/11	पुनर्वसु	दिन 12/19	वज्र	दिन 11/20		कर्क प्रातः 6/3 पर	
4	रवि	5/27	30	अमावस्या	दिन 4/51	पुष्य	दिन 1/35	सिद्धि	दिन 10/47			स्नान, दान, श्राद्ध अमावस्या 30

अमृतसिद्धि योग - ता0 26 सायं 5/24 से / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 22 रात्रि 11/40 तक, ता0 26 सायं 5/24 से, ता0 28 दिन 2/18 तक, ता0 30 दिन 12/5 तक, ता0 31 समग्र, ता0 2 दिन 11/33 से, ता0 4 दिन 1/35 तक / **द्विपुष्कर योग** - ता0 23 दिन 12/13 तक / ***रवि योग (सर्वदोष नाशक)*** - ता0 26 सायं 5/24 से ता0 27 दिन 3/47 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** - ता0 27 दिन 3/47 तक, ता0 29 दिन 1/3 तक

सूर्य - कर्कस्थ, पुष्य, 2 अगस्त से आश्लेषा / ***भौम*** - वृषस्थ, कृत्तिका; 28 जुलाई से रोहिणी / ***बुध*** - सिंहस्थ, मघा / ***गुरु*** - वृषस्थ, रोहिणी 3 चरण; 1 अगस्त से रोहिणी 4 चरण / ***शुक्र*** - कर्कस्थ, आश्लेषा; 31 जुलाई से सिंहस्थ, मघा / ***शनि*** - कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद 2 चरण, वक्री / ***राहु*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद 4 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, हस्त 2 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
5	सोम	5/27	1	प्रतिपदा पड़िवा	सायं 5/59	आश्लेषा	दिन 3/19	व्यतिपात	दिन 10/37		सिंह दिन 3/19 पर	***तृतीय श्रावण सोमवार व्रतम्***
6	मंगल	5/28	2	द्वितीया	रात्रि 7/30	मघा	सायं 5/25	वरीयान	दिन 10/46			
7	बुध	5/28	3	तृतीया	रात्रि 9/19	पूर्वाफाल्गुनी	रात्रि 7/49	परिघ	दिन 11/11		कन्या रात्रि 2/27 पर	ठकुराइन जयन्ती, मधुश्रवा तृतीया
8	गुरू	5/29	4	चतुर्थी	रात्रि 11/17	उत्तराफाल्गुनी	रात्रि 10/22	शिव	दिन 11/44	दिन 10/17 से रात्रि 11/17 तक		वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्
9	शुक्र	5/30	5	पंचमी	रात्रि 1/14	हस्त	रात्रि 12/55	सिद्ध	दिन 12/21			***नाग पंचमी, गुड़िया पंचमी***
10	शनि	5/31	6	षष्ठी	रात्रि 3/3	चित्रा	रात्रि 3/20	साध्य	दिन 12/54		तुला दिन 2/9 पर	
11	रवि	5/31	7	सप्तमी	रात्रि 4/35	स्वाती	रात्रि 5/29	शुभ	दिन 1/17	रात्रिशेष 4/35 से		***गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती सप्तमी 7***
12	सोम	5/32	8	अष्टमी	समग्र	विशाखा	समग्र	शुक्ल	दिन 1/21	सायं 5/9 तक	वृश्चिक रात्रि 12/48 पर	***चतुर्थ श्रावण सोमवार व्रतम्***
13	मंगल	5/32	8	अष्टमी	प्रातः 5/43	विशाखा	दिन 7/13	ब्रह्म	दिन 1/11			
14	बुध	5/33	9	नवमी	प्रातः 6/21	अनुराधा	दिन 8/28	ऐन्द्र	दिन 12/35			
15	गुरू	5/34	10	दशमी	प्रातः 6/29	ज्येष्ठा	दिन 9/13	वैधृति	दिन 11/34	सायं 6/29 से	धनु दिन 9/13 पर	***पुत्रदा एकादशी 11 व्रतम् स्मार्त***
16	शुक्र	5/34	11 12	एकादशी द्वादशी	प्रातः 6/36 रात्रि 5/9	मूल	दिन 9/27	विष्कुम्भ	दिन 10/9	प्रातः 6/36 तक		***पुत्रदा एकादशी 11 व्रतम् वैष्णव***, स्मार्त एकादशी व्रत पारण दिन 8/8 तक, ***सिंहस्थ सूर्य रात्रि 7/51 पर, सिंह सक्रान्ति पुण्यकाल दिन 1/27 से सूर्यास्त तक***
17	शनि	5/35	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 3/48	पूर्वाषाढ़	दिन 9/12	प्रीति आयुष्मान	दिन 8/20 रात्रि 4/35		मकर दिन 3/3 पर	***शनि प्रदोष 13 व्रतम् (संतान प्राप्ति हेतु)***
18	रवि	5/35	14	चतुर्दशी	रात्रि 2/5	उत्तराषाढ़	दिन 8/32	सौभाग्य	रात्रि 3/40	रात्रिशेष 2/5 से		
19	सोम	5/36	15	पूर्णिमा	रात्रि 12/2	श्रवण धनिष्ठा	प्रातः 7/31 रात्रि 5/0	शोभन	रात्रि 12/56	दिन 1/4 तक	कुम्भ सायं 6/51 पर	***पंचम श्रावण सोमवार व्रतम्***, स्नान, दान, व्रत पूर्णिमा 15, ***रक्षा बन्धन पूर्णिमा दिन 1/4 के उपरांत, पंचक प्रारम्भ सायं 6/51***

अमृतसिद्धि योग - ता0 14 दिन 8/28 तक / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 10 देर रात्रि 3/20 से, ता0 14 दिन 8/28 तक, ता0 19 दिन 7/31 तक / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 10 देर रात्रि 3/3 से देर रात्रि 3/20 तक / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 12 समग्र / ***रवि योग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 7 रात्रि 7/49 से ता0 8 रात्रि 10/22 तक, ता0 9 रात्रि 12/55 से ता0 10 देर रात्रि 3/20 तक, ता0 13 दिन 7/13 से ता0 15 दिन 9/15 तक, ता0 18 दिन 8/32 से ता0 19 प्रातः 7/31 तक / ***यायीजयप्रदयोग (वादी हेतु)*** - ता0 5 दिन 3/19 तक, ता0 11 दिवस पर्यन्त, ता0 17 दिन 9/12 से, ता0 19 दिवस पर्यन्त

सूर्य - कर्कस्थ, आश्लेषा; 16 अगस्त से सिंहस्थ, मघा / ***भौम*** - वृषस्थ, रोहिणी; 16 अगस्त से मृगशीर्ष / ***बुध*** - सिंहस्थ, मघा; 5 अगस्त से वक्री; 5 अगस्त से पश्चिमास्त / ***गुरु*** - वृषस्थ, रोहिणी 4 चरण / ***शुक्र*** - सिंहस्थ, मघा; 11 अगस्त से पूर्वाफाल्गुनी / ***शनि*** - कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद 2 चरण, वक्री; 13 अगस्त से पूर्वाभाद्रपद 1 चरण / ***राहु*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद 4 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, हस्त 2 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
20	मंगल	5/37	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 9/48	शतभिषा	रात्रि 4/40	अतिगण्ड	रात्रि 10/2			
21	बुध	5/38	2	द्वितीया	रात्रि 7/24	पूर्वाभाद्रपद	रात्रि 3/2	सुकर्मा	रात्रि 7/1		मीन रात्रि 9/26 पर	अशून्य शयन द्वितीया 2 व्रतम्, चंद्रोदय रात्रि 7/45, ***विन्ध्याचल जयन्ती***
22	गुरू	5/38	3	तृतीया	दिन 4/58	उत्तराभाद्रपद	रात्रि 1/21	धृति	दिन 3/57	प्रातः 6/11 से दिन 4/58 तक		***कज्जली 3 तृतीया (छोटी तीज) बहुला संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्,*** चद्रोदय रात्रि 8/21
23	शुक्र	5/38	4	चतुर्थी	दिन 2/31	रेवती	रात्रि 11/43	शूल	दिन 12/53		मेष रात्रि 11/43 पर	***पंचक समाप्त रात्रि 11/43***
24	शनि	5/40	5	पंचमी	दिन 12/10	अश्विनी	रात्रि 10/13	गण्ड	दिन 9/52			***भैया पंचमी 5, भाई भिन्ना 5, चन्द्रषष्ठी 6,*** चन्द्रोदय रात्रि 9/36
25	रवि	5/40	6	षष्ठी	दिन 9/58	भरणी	रात्रि 8/54	वृद्धि ध्रुव	प्रातः 6/59 रात्रि 4/18	दिन 9/58 से रात्रि 8/58 तक	वृष रात्रि 2/36 पर	***ललही छठ (पुत्रकामना हेतु), हल षष्ठी***
26	सोम	5/41	7	सप्तमी	दिन 8/0	कृत्तिका	रात्रि 7/52	व्याघात	रात्रि 1/52			***(अर्धरात्रि रोहिणी युक्त) श्री कृष्ण जन्माष्टमी स्मार्त 8 , निशीथ काल रात्रि 11/37 से रात्रि 12/23 तक***
27	मंगल	5/41	8 9	अष्टमी नवमी	प्रातः 6/21 रात्रि 5/6	रोहिणी	रात्रि 7/10	हर्षण	रात्रि 11/43			***उदय व्यापिनी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 8 वैष्णव***
28	बुध	5/42	10	दशमी	रात्रि 4/17	मृगशीर्ष	सायं 6/54	वज्र	रात्रि 9/55	दिन 4/41 से रात्रिशेष 4/17 तक	मिथुन प्रातः 6/56 पर	
29	गुरू	5/43	11	एकादशी	रात्रि 3/58	आर्द्रा	रात्रि 7/5	सिद्धि	रात्रि 8/30			***जया एकादशी 11 व्रतम् स्मार्त***
30	शुक्र	5/43	12	द्वादशी	रात्रि 4/9	पुनर्वसु	रात्रि 7/45	व्यतिपात	रात्रि 7/29		कर्क दिन 1/32 पर	***जया एकादशी 11 व्रतम् वैष्णव,*** स्मार्त एकादशी व्रत पारण दिन 8/11 तक
31	शनि	5/45	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 4/51	पुष्य	रात्रि 8/56	वरीयान	सायं 6/51	रात्रि शेष 4/51 से		***शनि प्रदोष 13 व्रतम् (पुत्र प्राप्त्यर्थ)***
1	रवि	5/45	14	चतुर्दशी	समग्र	आश्लेषा	रात्रि 10/35	परिघ	सायं 6/37	रात्रि 7/0 तक	सिंह रात्रि 10/35 पर	मास शिवरात्रि 14 व्रतम्
2	सोम	5/45	14	चतुर्दशी	प्रातः 6/0	मघा	रात्रि 12/38	शिव	सायं 6/42			श्राद्ध 30 अमावस्या
3	मंगल	5/47	30	अमावस्या	दिन 7/34	पूर्वाफाल्गुनी	रात्रि 2/59	सिद्ध	रात्रि 7/3			स्नान-दान भौमवती अमावस्या 30, ***कुशोत्पाटिनी अमावस्या 30***

अमृतसिद्ध योग - ता0 23 रात्रि 11/43 तक / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 22 देर रात्रि 1/21 से, ता0 23 समग्र, ता0 26 रात्रि 7/52 से, ता0 28 सायं 6/54 तक, ता0 29 रात्रि 7/5 से ता0 30 रात्रि 7/45 तक / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 20 देर रात्रि 4/40 से, ता0 25 रात्रि 8/54 से / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 1 रात्रि 10/35 से / ***रवि योग (सर्वदोष नाशक)*** - ता0 24 रात्रि 10/13 से ता0 25 रात्रि 8/54 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** - ता0 22 सायं 4/58 तक, ता0 25 दिवस पर्यन्त

सूर्य - सिंहस्थ, मघा; 30 अगस्त से पूर्वाफाल्गुनी / ***भौम*** - वृषस्थ, मृगशीर्ष; 27 अगस्त से मिथुनस्थ / ***बुध*** - सिंहस्थ, मघा, वक्री, अस्त; 22 अगस्त से कर्कस्थ, आश्लेषा; 27 अगस्त को पूर्वोदय; 28 अगस्त को मार्गी / ***गुरु*** - वृषस्थ, रोहिणी 4 चरण; 22 अगस्त से मृगशीर्ष 1 चरण / ***शुक्र*** - सिंहस्थ, पूर्वाफाल्गुनी; 22 अगस्त से उत्तराफाल्गुनी; 24 अगस्त से कन्यास्थ; 1 सितम्बर से हस्त / ***शनि*** - कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद 1 चरण, वक्री / ***राहु*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद 4 चरण; 26 अगस्त से उत्तराभाद्रपद 3 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, हस्त 2 चरण; 26 अगस्त से हस्त 1 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
4	बुध	5/47	1	प्रतिपदा पड़िवा	दिन 9/25	उत्तराफाल्गुनी	रात्रि 5/31	साध्य	रात्रि 7/35		कन्या दिन 9/31 पर	
5	गुरू	5/48	2	द्वितीया	दिन 11/25	हस्त	समग्र	शुभ	रात्रि 8/10			*वाराहावतार 3 (अपराह्ण)*
6	शुक्र	5/49	3	तृतीया	दिन 1/24	हस्त	दिन 8/5	शुक्ल	रात्रि 8/42	रात्रिशेष 2/18से	तुला रात्रि 9/19 पर	*हरतालिका तृतीया 3 व्रतम्, (बड़ी तीज)*
7	शनि	5/49	4	चतुर्थी	दिन 3/14	चित्रा	दिन 10/31	ब्रह्म	रात्रि 9/6	दिन 3/14 तक		*सिद्धि विनायक वरद गणेश चतुर्थी 4 व्रत, चन्द्रदर्शन निषेध, चंद्रास्त रात्रि 8/25*
8	रवि	5/50	5	पंचमी	दिन 4/45	स्वाती	दिन 12/42	ऐन्द्र	रात्रि 9/14			*ऋषि पंचमी*
9	सोम	5/51	6	षष्ठी	सायं 5/53	विशाखा	दिन 2/29	वैधृति	रात्रि 9/3		वृश्चिक दिन 8/7 पर	*लोलार्क षष्ठी 6*
10	मंगल	5/51	7	सप्तमी	सायं 6/31	अनुराधा	दिन 3/50	विष्कुम्भ	रात्रि 8/29	सायं 6/31 से		*ज्येष्ठा देवी आवाहन दिन 3/50 उपरांत, महालक्ष्मी व्रतारम्भ अष्टमी (निथीष व्यापिनी में)*
11	बुध	5/52	8	अष्टमी	सायं 6/40	ज्येष्ठा	दिन 4/40	प्रीति	रात्रि 7/31	प्रातः 6/36 तक	धनु दिन 4/40 पर	*ज्येष्ठा देवी पूजन दिन 4/40 तक, श्री राधाष्टमी 8*
12	गुरु	5/53	9	नवमी	सायं 6/17	मूल	सायं 5/1	आयुष्मान	सायं 6/9			*ज्येष्ठा देवी विसर्जन सायं 5/1 तक, श्री चन्द्र जयन्ती, नवमी 9*
13	शुक्र	5/54	10	दशमी	सायं 5/25	पूर्वाषाढ़	दिन 4/52	सौभाग्य	दिन 4/23	रात्रिशेष 4/46 से	मकर रात्रि 10/46 पर	
14	शनि	5/54	11	एकादशी	दिन 4/8	उत्तराषाढ़	दिन 4/18	शोभन	दिन 2/17	दिन 4/8 तक		*पद्मा एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्*
15	रवि	5/55	12	द्वादशी	दिन 2/28	श्रवण	दिन 3/22	अतिगण्ड	दिन 11/52		कुम्भ रात्रि 2/47 पर	*पंचक प्रारम्भ दिन 2/47,* एकादशी व्रत पारण प्रातः 7/40 से दिन 8/12 तक, *वामन द्वादशी 12*
16	सोम	5/56	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 12/29	धनिष्ठा	दिन 2/8	सुकर्मा	दिन 9/12			*कन्यास्थ सूर्य रात्रि 7/47 पर, कन्या संक्रान्ति पुण्यकाल दिन 11/51 से सूर्यास्त तक*
17	मंगल	5/56	14	चतुर्दशी	दिन 10/18	शतभिषा	दिन 12/40	धृति शूल	प्रातः 6/21 रात्रि 5/34	दिन 10/18 से रात्रि 9/7 तक	मीन रात्रि 5/29 पर	व्रत पूर्णिमा 15, *विश्वकर्मा पूजन, अनन्त चतुर्दशी 14, महालयारम्भ, प्रौष्ठपदि श्राद्ध पूर्णिमा 15*
18	बुध	5/57	15 1	पूर्णिमा प्रतिपदा	दिन 7/57 रात्रि 5/31	पूर्वाभाद्रपद	दिन 11/5	गण्ड	रात्रि 12/15			*प्रतिपदा श्राद्धम्*

सर्वार्थसिद्धि योग - ता0 4 देर रात्रि 5/31 से, ता0 7 दिन 10/31 से, ता0 9 दिन 2/29 से, ता0 14 दिन 4/18 से / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 14 दिन 4/8 से दिन 4/18 तक / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 9 दिन 2/29 तक, ता0 11 दिन 4/40 से / **रवि योग (सर्वदोषनाशक)** - ता0 6 दिन 8/5 से ता0 7 दिन 10/31 तक, ता0 8 दिन 12/42 से ता0 9 दिन 2/29 तक, ता0 11 दिन 4/40 से, ता0 14 दिन 4/18 तक, ता0 16 दिन 2/8 से ता0 17 दिन 12/40 तक / ***यायीजयप्रदयोग (वादी हेतु)*** -ता0 5 दिन 11/25 से, ता0 7 दिन 3/13 से, ता0 8 दिन 12/42 तक, ता0 14 दिन 4/8 तक, ता0 15 दिन 3/22 से ता0 16 दिन 12/29 तक

सूर्य - सिंहस्थ, पूर्वाफाल्गुनी; 13 सितम्बर से उत्तराफाल्गुनी; 16 सितम्बर से कन्यास्थ / ***भौम*** - मिथुनस्थ, मृगशीर्ष; 7 सितम्बर से आर्द्रा / ***बुध*** - कर्कस्थ, आश्लेषा; 4 सितम्बर से सिंहस्थ, मघा; 14 सितम्बर से पूर्वाफाल्गुनी / ***गुरु*** - वृषस्थ, मृगशीर्ष 1 चरण / ***शुक्र*** - कन्यास्थ, हस्त; 12 सितम्बर से चित्रा; 18 सितम्बर से तुलास्थ / ***शनि*** - कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद 1 चरण, वक्री / ***राहु*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद 3 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, हस्त 1 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
19	गुरू	5/58	2	द्वितीया	रात्रि 3/6	उत्तराभाद्रपद	दिन 9/25	वृद्धि	रात्रि 9/10			***द्वितीया श्राद्धम्,*** अशून्य शयन व्रतम् 2, चंद्रोदय रात्रि 6/52
20	शुक्र	5/58	3	तृतीया	रात्रि 12/46	रेवती अश्विनी	दिन 7/46 रात्रि 5/20	ध्रुव	सायं 6/8	दिन 1/56 से रात्रिशेष 12/46 तक	मेष दिन 7/46 पर	***तृतीया श्राद्धम्, पंचक समाप्त दिन 7/46***
21	शनि	6/0	4	चतुर्थी	रात्रि 10/36	भरणी	रात्रि 4/50	व्याघात	दिन 3/12			***चतुर्थी श्राद्धम् , भरणी श्राद्धम् (गया श्राद्ध का फल)*** संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्, चंदोदय रात्रि 8/13
22	रवि	6/0	5	पंचमी	रात्रि 8/40	कृत्तिका	रात्रि 3/43	हर्षण	दिन 12/26		वृष दिन 10/33 पर	***पंचमी श्राद्धम् , चंद्रषष्ठी व्रतम् 6,*** चंद्रोदय पूजा, चंद्रोदय रात्रि 9/0
23	सोम	6/0	6	षष्ठी	रात्रि 7/3	रोहिणी	रात्रि 2/57	वज्र	दिन 9/54	रात्रि 7/3 से		***षष्ठी श्राद्धम्,***
24	मंगल	6/2	7	सप्तमी	सायं 5/49	मृगशीर्ष	रात्रि 2/34	सिद्धि व्यतिपात	दिन 7/38 रात्रि 5/44 पर	प्रातः 6/26 तक	मिथुन दिन 2/44 पर	***सप्तमी श्राद्धम्, महालक्ष्मी व्रतम् अष्टमी 8, चंद्रोदय रात्रि 10/49***
25	बुध	6/2	8	अष्टमी	सायं 5/1	आर्द्रा	रात्रि 2/39	वरीयान	रात्रि 4/13			***अष्टमी श्राद्धम्, जीवत्पुत्रिका व्रतम् 8***(जिउतिया) ***गज गौरी जन्म 8,***
26	गुरु	6/4	9	नवमी	दिन 4/43	पुनर्वसु	रात्रि 3/14	परिघ	रात्रि 3/5	रात्रिशेष 4/50से	कर्क रात्रि 9/4 पर	***नवमी श्राद्धम्, मातृ नवमी (अविधवा-सौभाग्यवती श्राद्धम्),*** अन्वष्टका श्राद्धम्, जीवत्पुत्रिका व्रत पारण
27	शुक्र	6/4	10	दशमी	दिन 4/57	पुष्य	रात्रि 4/19	शिव	रात्रि 2/22	दिन 4/57 तक		***दशमी श्राद्धम्***
28	शनि	6/4	11	एकादशी	सायं 5/41	आश्लेषा	समग्र	सिद्ध	रात्रि 2/2			***इंदिरा एकादशी 11 व्रतम सर्वेषाम्, एकादशी श्राद्धम***
29	रवि	6/6	12	द्वादशी	सायं 6/54	आश्लेषा	प्रातः 5/51	साध्य	रात्रि 2/3		सिंह प्रातः 5/51 पर	***द्वादशी श्राद्धम्,*** (संन्यासी, यति, ब्रह्मचारी, वैष्णव श्राद्धम्), ***मघा श्राद्धम्***
30	सोम	6/6	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 8/30	मघा	दिन 7/52	शुभ	रात्रि 2/20	रात्रि 8/30 से		***त्रयोदशी श्राद्धम्, सोम प्रदोष 13 व्रतम्, (कुल देव प्रसन्नता हेतु),*** मास शिवरात्रि 14 व्रतम्
1	मंगल	6/7	14	चतुर्दशी	रात्रि 10/22	पूर्वाफाल्गुनी	दिन 10/12	शुक्ल	रात्रि 2/48	दिन 9/27 तक	कन्या दिन 4/49 पर	***चतुर्दशी श्राद्धम्*** (शस्त्र व दुर्घटना से मृत व्यक्तियों का श्राद्ध)
2	बुध	6/8	30	अमावस्या	रात्रि 12/24	उत्राफाल्गुनी	दिन 12/43	ब्रह्म	रात्रि 3/22			स्नान दान, श्राद्ध 30, ***सर्वपित्र्यमाश्राद्धम् (पितृ विसर्जन अमावस्या),*** (अज्ञात तिथि वालों का श्राद्ध), ***महालय समाप्त***

अमृतसिद्धि योग - ता0 20 दिन 7/46 तक, ता0 23 देर रात्रि 2/57 से, ता0 26 देर रात्रि 3/14 से / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 19 दिन 9/25 से, ता0 20 देर रात्रि 5/20 तक, ता0 23 समग्र, ता0 26 समग्र, ता0 2 दिन 12/43 से / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 24 सायं 5/49 तक / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 24 देर रात्रि 2/34 से, ता0 29 प्रातः 5/51 से / ***रवियोग (सर्वदोष नाशक)*** - ता0 22 देर रात्रि 3/43 से, ता0 23 देर रात्रि 2/57 तक / ***यायीजयपद्र योग (वादी हेतु)*** - ता0 26 दिन 4/43 तक, ता0 28 सायं 5/41 तक

सूर्य - कन्यास्थ, उत्तराफाल्गुनी; 26 सितम्बर से हस्त / ***भौम*** - मिथुनस्थ, आर्द्रा; 30 से पुनर्वसु / ***बुध*** - सिंहस्थ, पूर्वाफाल्गुनी; 19 सितम्बर से अस्त; 21 सितम्बर से उत्तराफाल्गुनी; 23 सितम्बर से कन्यास्थ; 28 सितम्बर से हस्त / ***गुरु*** - वृषस्थ, मृगशीर्ष 1 चरण; 1 अक्टूबर से मृगशीर्ष 2 चरण / ***शुक्र*** - तुलास्थ, चित्रा; 23 सितम्बर से स्वाती / ***शनि*** - कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद 1 चरण, वक्री; 28 सितम्बर से शतभिषा 4 चरण / ***राहु*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद 3 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, हस्त 1 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
3	गुरू	6/8	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 2/24	हस्त	दिन 3/17	ऐन्द्र	रात्रि 3/54		तुला रात्रि 4/33 पर	*शारदीय नवरात्रारम्भ*, घट स्थापन दिन 9/48 तक *अभिजित मुहूर्त में दिन 11/22 से दिन 12/9 तक, शैलपुत्री दर्शन, मातामह श्राद्धम्*
4	शुक्र	6/9	2	द्वितीया	रात्रि 4/16	चित्रा	सायं 5/44	वैधृति	रात्रि 4/18			***ब्रह्मचारिणी दर्शन***
5	शनि	6/9	3	तृतीया	रात्रि 5/41	स्वाती	रात्रि 7/58	विष्कुम्भ	रात्रि 4/28			***चंद्रघण्टा दर्शन***
6	रवि	6/11	4	चतुर्थी	समग्र	विशाखा	रात्रि 9/50	प्रीति	रात्रि 4/20	सायं 5/53 से	वृश्चिक दिन 3/24 पर	***कूष्माडा देवी दर्शन,*** वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्
7	सोम	6/11	4	चतुर्थी	प्रातः 6/58	अनुराधा	रात्रि 11/16	आयुष्मान	रात्रि 3/50	प्रातः 6/58 तक		***ललिता 5, उपाङ्ग ललिता व्रतम्***
8	मंगल	6/12	5	पंचमी	दिन 7/38	ज्येष्ठा	रात्रि 12/13	सौभाग्य	रात्रि 2/55		धनु रात्रि 12/13पर	***स्कन्द माता दर्शन***
9	बुध	6/13	6	षष्ठी	दिन 7/47	मूल	रात्रि 12/41	शोभन	रात्रि 1/37			***कात्यायिनी दर्शन***
10	गुरू	6/14	7	सप्तमी	दिन 7/27	पूर्वाषाढ़	रात्रि 12/39	अतिगण्ड	रात्रि 11/56	प्रातः 7/27से रात्रि 7/1 तक		***कालरात्रि दर्शन, महानिशा पूजन,महादुर्गाष्टमी 8***
11	शुक्र	6/14	8 9	अष्टमी नवमी	प्रातः 6/37 रात्रि 5/21	उत्तराषाढ़	रात्रि 12/11	सुकर्मा	रात्रि 9/53		मकर प्रातः 6/37 पर	*दुर्गाष्टमी, दुर्गा नवमी, महागौरी दर्शन सिद्धिदात्री दर्शन, नवरात्र पारण दिन 12/19 से सूर्यास्त तक*
12	शनि	6/14	10	दशमी	रात्रि 3/43	श्रवण	रात्रि 11/20	धृति	रात्रि 7/32			*विजयादशमी, शमी पूजन, खंजन दर्शन, नीलकण्ठ दर्शन, शस्त्र पूजन, अपराजिता पूजन, ध्वजारोहण, सीमोल्लंघन*
13	रवि	6/16	11	एकादशी	रात्रि 1/48	धनिष्ठा	रात्रि 10/11	शूल	दिन 4/56	दिन 2/45 से रात्रि 1/48 तक	कुम्भ दिन 10/49 पर	*पचक प्रारम्भ दिन 10/49, पापाङ्कुशा एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्, भरत मिलाप*
14	सोम	6/16	12	द्वादशी	रात्रि 11/38	शतभिषा	रात्रि 8/48	गण्ड	दिन 2/7			***पद्मनाभ द्वादशी 12,*** एकादशी व्रत पारण दिने 8/16 तक
15	मंगल	6/17	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 9/19	पूर्वाभाद्रपद	रात्रि 7/14	वृद्धि	दिन 11/8		मीन दिन 1/39 पर	***भौम प्रदोष 13 व्रतम् (ऋणमुक्ति हेतु)***
16	बुध	6/17	14	चतुर्दशी	सायं 6/56	उत्तराभाद्रपद	सायं 5/36	ध्रुव व्याघात	दिन 8/4 रात्रि 4/58	सायं 6/56 से रात्रिशेष 5/45 तक		***शरदपूर्णिमा, कोजागरी 15, रात्रि लक्ष्मीन्द्र कुबेरादि पूजन,*** व्रत पूर्णिमा 15
17	गुरु	6/18	15	पूर्णिमा	दिन 4/34	रेवती	दिन 3/57	हर्षण	रात्रि 1/53		मेष दिन 3/57 पर	*तुलास्थ सूर्य दिन 7/44 पर, तुला संक्रान्ति पुण्यकाल दिन 11/44 तक, पंचकसमाप्त दिन 3/57,* स्नान, दान, व्रत पूर्णिमा 15, *कार्तिक स्नान व्रत-यम-नियम प्रारम्भ, वाल्मीकि जयन्ती*

सर्वार्थसिद्धि योग - ता0 5 रात्रि 7/58 तक, ता0 7 रात्रि 11/16 तक, ता0 11 देर रात्रि 12/11 से, ता0 12 रात्रि 11/20 तक, ता0 15 रात्रि 7/14 से, ता0 17 समग्र / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 9 देर रात्रि 12/41 तक / ***रवियोग (सर्वदोष नाशक)*** - ता0 5 रात्रि 7/58 से ता0 6 रात्रि 9/50 तक, ता0 7 रात्रि 11/16 से ता0 8 देररात्रि 12/13 तक, ता0 11 देर रात्रि 12/11 से ता0 13 रात्रि 10/11 तक, ता0 15 रात्रि 7/14 से ता0 16 सायं 5/36 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** - ता0 3 दिन 3/17 तक, ता0 5 दिवस पर्यन्त, ता0 7 दिवस पर्यन्त, ता0 13 दिवस पर्यन्त, ता0 17 दिन 3/57 तक

सूर्य - कन्यास्थ, हस्त; 10 अक्टूबर से चित्रा; 17 अक्टूबर से तुलास्थ / ***भौम*** - मिथुनस्थ, पुनर्वसु / ***बुध*** - कन्यास्थ, हस्त, अस्त; 6 अक्टूबर से चित्रा; 10 अक्टूबर से तुलास्थ; 14 अक्टूबर से स्वाती / ***गुरु*** - वृषस्थ, मृगशीर्ष 2 चरण; 9 अक्टूबर से वक्री, 17 अक्टूबर से मृगशीर्ष 1 चरण / ***शुक्र*** - तुलास्थ, स्वाती; 4 अक्टूबर से विशाखा; 12 अक्टूबर से वृश्चिकस्थ; 15 अक्टूबर से अनुराधा / ***शनि*** - कुम्भस्थ, शतभिषा 4 चरण, वक्री / ***राहु*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद 3 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, हस्त 1 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
18	शुक्र	6/19	1	प्रतिपदा पड़िवा	दिन 2/15	अश्विनी	दिन 2/23	वज्र	रात्रि 10/54			अशून्य शयन 2 व्रतम् , चंद्रोदय रात्रि 6/2
19	शनि	6/20	2	द्वितीया	दिन 12/6	भरणी	दिन 12/57	सिद्धि	रात्रि 8/4	रात्रि 11/7 से	वृष सायं 6/38 पर	
20	रवि	6/20	3	तृतीया	दिन 10/10	कृत्तिका	दिन 11/46	व्यतिपात	दिन 5/27	दिन 10/10 तक		***करक (करवा चौथ),*** संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्, चंद्रोदय रात्रि 7/40
21	सोम	6/21	4	चतुर्थी	दिन 8/33	रोहिणी	दिन 10/54	वरीयान	दिन 3/5		मिथुन रात्रि 10/37 पर	
22	मंगल	6/22	5	पंचमी	प्रातः 7/20	मृगशीर्ष	दिन 10/25	परिघ	दिन 1/3			
23	बुध	6/23	6	षष्ठी	प्रातः 6/34	आर्द्रा	दिन 10/23	शिव	दिन 11/24	प्रातः 6/34 से सायं 6/34 तक	कर्क रात्रि 4/40 पर	
24	गुरु	6/24	7	सप्तमी	प्रातः 6/35	पुनर्वसु	दिन 10/51	सिद्ध	दिन 10/8			***अहोई अष्टमी 8 व्रतम्, चंद्रोदय रात्रि 11/39***
25	शुक्र	6/24	8	अष्टमी	प्रातः 6/49	पुष्य	दिन 11/51	साध्य	दिन 9/16			***श्री राधा अष्टमी, अरूणोदय श्री राधाकुण्ड स्नान***
26	शनि	6/25	9	नवमी	प्रातः 7/24	आश्लेषा	दिन 1/20	शुभ	दिन 8/49	रात्रि 8/3 से	सिंह दिन 1/20 पर	
27	रवि	6/25	10	दशमी	दिन 8/41	मघा	दिन 3/14	शुक्ल	दिन 8/43	दिन 8/41 पर		
28	सोम	6/26	11	एकादशी	दिन 10/21	पूर्वाफाल्गुनी	दिन 5/30	ब्रह्म	दिन 8/55		कन्या रात्रि 12/6 पर	***रम्भा एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम् , गोवत्स द्वादशी (प्रदोष व्यापिनी)***
29	मंगल	6/27	12	द्वादशी	दिन 12/16	उत्तराफाल्गुनी	रात्रि 7/58	ऐन्द्र	दिन 9/20			एकादशी व्रत पारण प्रातः 8/20 तक, ***भौम प्रदोष 13 व्रतम्, (ऋणमुक्ति हेतु) धन त्रयोदशी (धनतेरस), प्रदोष 13 व्रतम् , धनवन्तरी त्रयोदशी, निशामुख दीपदान***
30	बुध	6/27	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 2/20	हस्त	रात्रि 10/31	वैधृति	दिन 9/50	दिन 2/20 से रात्रि 3/20 तक		***नरक चतुर्दशी 14, (चंद्रोदय व्यापिनी),*** मास शिवरात्रि 14 व्रतम्, ***गौत्रि रात्रि व्रतारम्भ, यम पंचक प्रारम्भ***
31	गुरू	6/28	14	चतुर्दशी	दिन 4/21	चित्रा	रात्रि 1/1	विष्कुम्भ	दिन 10/21		तुला दिन 11/47 पर	***अरूणोदय काल हुनमज्जन्म दर्शन, निशीथे महाकाली पूजन, निथीथ काल रात्रि 11/18 से रात्रि शेष 12/9 तक***
1	शुक्र	6/28	30	अमावस्या	सायं 6/12	स्वाती	रात्रि 3/18	प्रीति	दिन 10/45			स्नान, दान, श्राद्ध अमावस्या 30, ***दीपावली 30, प्रदोषे लक्ष्मीन्द्र, गणेश, कुबेरादि पूजन, प्रातः यम भीष्म तर्पण***

अमृतसिद्धि योग - ता0 21 दिन 10/54 से, ता0 24 दिन 10/51 से / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 29 दिन 12/16 तक / **यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)** - ता0 22 दिन 10/25 से, ता0 27 दिन 3/14 तक / ***रवियोग (सर्वदोष नाशक)*** - ता0 22 दिन 10/25 से ता0 23 दिन 10/23 तक, ता0 23 देर रात्रि 12/40 से ता0 24 दिन 10/51 तक **/ यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)** - ता0 21 दिन 10/54 तक

सूर्य - तुलास्थ, चित्रा; 23 अक्टूबर से स्वाती / ***भौम*** - मिथुनस्थ पुनर्वसु; 22 अक्टूबर से कर्कस्थ; 30 अक्टूबर से पुष्य / ***बुध*** - तुलास्थ, स्वाती, अस्त; 22 अक्टूबर से विशाखा; 25 अक्टूबर से पश्चिमोदय; 29 अक्टूबर से वृश्चिकस्थ; 31 अक्टूबर से अनुराधा / ***गुरु*** - वृषस्थ,मृगशीर्ष 1 चरण; वक्री / ***शुक्र*** - वृश्चिकस्थ, अनुराधा; 26 अक्टूबर से ज्येष्ठा / ***शनि*** - कुम्भस्थ, शतभिषा 4 चरण, वक्री / ***राहु*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद 3 चरण; 29 अक्टूबर से उत्तराभाद्रपद 2 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, हस्त 1 चरण; 29 अक्टूबर से उत्तराफाल्गुनी 4 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
2	शनि	6/29	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 7/45	विशाखा	रात्रि 5/15	आयुष्मान	दिन 10/57		वृश्चिक रात्रि 10/46पर	***गोवर्धन पूजन, अन्नकूट***
3	रवि	6/30	2	द्वितीया	रात्रि 8/54	अनुराधा	समग्र	सौभाग्य	दिन 10/52			***भ्रातृ द्वितीया (भइया दूज), भगिनी गृहे भोजनम्, अपराह्ण यम तर्पण, चित्रगुप्त पूजन, लेखिनी दावात पूजन, यमुना स्नान, यम पंचक समाप्त***
4	सोम	6/30	3	तृतीया	रात्रि 9/34	ज्येष्ठा	प्रातः 6/48	शोभन	दिन 10/26			
5	मंगल	6/31	4	चतुर्थी	रात्रि 9/46	मूल	दिन 7/51	अतिगण्ड	दिन 9/38	दिन 9/40 से रात्रि 9/46 तक	धनु दिन 7/51 पर	अंङ्गारकी वैनायकी गणेश चतुर्थी
6	बुध	6/32	5	पंचमी	रात्रि 9/26	पूर्वाषाढ़	दिन 8/25	सुकर्मा	दिन 8/27			***रवि षष्ठी व्रतारम्भ***
7	गुरू	6/32	6	षष्ठी	रात्रि 8/39	उत्तराषाढ़	दिन 8/31	धृति शूल	प्रातः 6/52 रात्रि 4/56		मकर दिन 2/26 पर	***रवि षष्ठी 6 व्रतम्, डाला छठ***
8	शुक्र	6/33	7	सप्तमी	रात्रि 7/26	श्रवण	दिन 8/10	गण्ड	रात्रि 2/39	रात्रि 7/26 से		***रवि षष्ठी व्रत पारण***
9	शनि	6/34	8	अष्टमी	सायं 5/52	धनिष्ठा	दिन 7/27	वृद्धि	रात्रि 12/6	प्रात 6/40 तक	कुम्भ सायं 6/55 पर	***पंचक प्रारम्भ सायं 6/55, गोपाष्टमी 8***
10	रवि	6/34	9	नवमी	दिन 4/0	शतभिषा	प्रातः 6/23 रात्रि 5/4	ध्रुव	रात्रि 9/20			***अक्षय नवमी 9, आंवला वृक्ष के नीचे भोजन, आंवला दान, विष्णु प्रतिमा, तुलसी पूजन***
11	सोम	6/35	10	दशमी	दिन 1/54	पूर्वाभाद्रपद	रात्रि 3/33	व्याघात	सायं 6/25	रात्रिशेष 12/45 से	मीन रात्रि 9/56 पर	***भीष्म पंचक व्रतारम्भ***
12	मंगल	6/36	11	एकादशी	दिन 11/38	उत्तराभाद्रपद	रात्रि 1/56	हर्षण	दिन 3/22	दिन 11/38 तक		***प्रबोधिनी एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम् , चातुर्मास्य व्रत, यम, नियमादि समाप्ति***
13	बुध	6/36	12	द्वादशी	दिन 9/17	रेवती	रात्रि 12/17	वज्र	दिन 12/15		मेष रात्रि 12/17 पर	***पचक समाप्त रात्रि 12/17, प्रदोष 13 व्रतम्, तुलसी विवाह द्वादशी 12,*** एकादशी व्रत पारण दिन 7/31 से दिन 8/26 तक
14	गुरू	6/37	13 त्रयोदशी 14 चतुर्दशी		प्रात 6/55 रात्रि 4/37	अश्विनी	रात्रि10/41	सिद्धि व्यतिपात	दिन 9/8 रात्रि 6/5	रात्रिशेष 4/37 से		***वैकुण्ठ चतुर्दशी 14 व्रतम् (निशीथ व्यापिनी)***
15	शुक्र	6/37	15	पूर्णिमा	रात्रि 2/29	भरणी	रात्रि 9/12	वरीयान	रात्रि 3/10	दिन 3/20 तक	वृष रात्रि 2/51 पर	स्नान, दान, व्रत पूर्णिमा 15, ***महाकार्तिकी पूर्णिमा 15 (देव दीपावली), गुरु नानक जयन्ती, कार्तिक स्नान-व्रत-यम नियम समाप्त, भीष्म पंचक व्रत समाप्त***

सर्वार्थसिद्धि योग - ता0 4 प्रातः 6/48 तक, ता0 8 दिन 8/10 से, ता0 9 दिन 7 / 27 तक, ता0 12 देर रात्रि 1/56 तक, ता0 14 रात्रि 10/41 तक / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 2 रात्रि 7/45 से देर रात्रि 5/15 तक / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 6 दिन 8/25 तक / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 4 प्रातः 6/48 से ता0 5 दिन 7/51 तक, ता0 6 दिन 8/25 से दिन 8/48 तक, ता0 7 दिन 8/31 से ता0 8 दिन 8/10 तक, ता0 10 प्रातः 6/23 से, ता0 11 देर रात्रि 3/33 तक, ता0 13 देर रात्रि 12/17 से ता0 14 रात्रि 10/41 तक

सूर्य - तुलास्थ, स्वाती; 6 नवम्बर से विशाखा / ***भौम*** - कर्कस्थ, पुष्य / ***बुध*** - वृश्चिकस्थ, अनुराधा; 10 नवम्बर से ज्येष्ठा / ***गुरु*** - वृषस्थ, मृगशीर्ष 1 चरण, वक्री / ***शुक्र*** - वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा; 6 नवम्बर से धनुस्थ, मूल / ***शनि*** - कुम्भस्थ, शतभिषा 4 चरण, वक्री; 13 नवम्बर से मार्गी / ***राहु*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद 2 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, उत्तराफाल्गुनी 4 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
16	शनि	6/37	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 12/36	कृत्तिका	रात्रि 7/57	परिघ	रात्रि 12/26			***वृश्चिकस्थ सूर्य प्रातः 7/29 पर, वृश्चिक संक्रान्ति पुण्यकाल प्रातः 7/29 तक***
17	रवि	6/38	2	द्वितीया	रात्रि 11/2	रोहिणी	रात्रि 6/59	शिव	रात्रि 9/59			
18	सोम	6/39	3	तृतीया	रात्रि 9/52	मृगशीर्ष	सायं 6/24	सिद्ध	रात्रि 7/49	दिन 10/27 से रात्रि 9/52 तक	मिथुन प्रातः 6/35 पर	
19	मंगल	6/40	4	चतुर्थी	रात्रि 9/9	आर्द्रा	सायं 6/16	साध्य	सायं 6/1			अङ्गारकी संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम् , चद्रोदय रात्रि 8/23
20	बुध	6/40	5	पंचमी	रात्रि 8/57	पुनर्वसु	रात्रि 6/37	शुभ	दिन 4/37		कर्क दिन 12/28 पर	
21	गुरू	6/40	6	षष्ठी	रात्रि 9/17	पुष्य	रात्रि 7/29	शुक्ल	दिन 3/37	रात्रि 9/17 से		
22	शुक्र	6/41	7	सप्तमी	रात्रि 10/7	आश्लेषा	रात्रि 8/51	ब्रह्म	दिन 3/1	दिन 9/43 तक	सिंह रात्रि 8/51 पर	
23	शनि	6/41	8	अष्टमी	रात्रि 11/26	मघा	रात्रि 10/40	ऐन्द्र	दिन 2/48			***मध्यान्ह प्रदोष व्यापिनी महाभैरवाष्टमी 8 व्रतम्***
24	रवि	6/42	9	नवमी	रात्रि 1/8	पूर्वाफाल्गुनी	रात्रि12/51	वैधृति	दिन 2/53			
25	सोम	6/42	10	दशमी	रात्रि 3/3	उत्तराफाल्गुनी	रात्रि 3/17	विष्कुम्भ	दिन 3/12	दिन 2/7 से रा.शेष 3/6 तक	कन्या प्रातः 7/25 पर	
26	मंगल	6/43	11	एकादशी	रात्रि 5/11	हस्त	रात्रि 5/49	प्रीति	दिन 3/40			***उत्पन्ना एकादशी 11 व्रतम् स्मार्त***
27	बुध	6/43	12	द्वादशी	समग्र	चित्रा	समग्र	आयुष्मान	दिन 4/9		तुला रात्रि 7/5 पर	***उत्पन्ना एकादशी 11 व्रतम् वैष्णव,*** स्मार्त एकादशी व्रत पारण दिन 8/33 तक
28	गुरु	6/43	12	द्वादशी	प्रातः 7/14	चित्रा	दिन 8/20	सौभाग्य	दिन 4/33			***प्रदोष 13 व्रतम्***
29	शुक्र	6/44	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 9/5	स्वाती	दिन 10/38	शोभन	दिन 4/47	दिन 9/5 से रात्रि 9/50 तक	वृश्चिक रात्रि 6/13 पर	मास शिवरात्रि 14 व्रतम्
30	शनि	6/44	14	चतुर्दशी	दिन 10/37	विशाखा	दिन 12/39	अतिगण्ड	दिन 4/46			श्राद्ध अमावस्या
1	रवि	6/44	30	अमावस्या	दिन 11/45	अनुराधा	दिन 2/17	सुकर्मा	दिन 4/25			स्नान, दान, अमावस्या

अमृतसिद्धि योग - ता0 16 रात्रि 7/57 से, ता0 18 सायं 6/24 तक, ता0 21 रात्रि 7/29 तक / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 16 रात्रि 7/57 से, त0 18 सायं 6/24 तक, ता0 21 रात्रि 7/29 तक, ता0 24 देर रात्रि 12/51 से / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 17 सायं 6/59 से रात्रि 11/2 तक, ता0 26 देर रात्रि 5/49 से / ***यमघण्टयोग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 19 सायं 6/16 तक / ***रवियोग (सर्वदोष नाशक)*** - ता0 21 रात्रि 7/29 से, ता0 22 रात्रि 8/51 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** - ता0 28 दिवस पर्यन्त

सूर्य - तुलास्थ, विशाखा; 16 नवम्बर से वृश्चिकस्थ; 19 नवम्बर से अनुराधा / ***भौम*** - कर्कस्थ, पुष्य / ***बुध*** - वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा; 25 नवम्बर से वक्री; 29 नवम्बर से पश्चिमास्त / ***गुरु*** - वृषस्थ, मृगशीर्ष 1 चरण, वक्री; 27 नवम्बर से रोहिणी 4 चरण / ***शुक्र*** - धनुस्थ, मूल; 17 नवम्बर से पूर्वाषाढ़, 29 नवम्बर से उत्तराषाढ़ / ***शनि*** - कुम्भस्थ, शतभिषा 4 चरण / ***राहु*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद 2 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, उत्तराफाल्गुनी 4 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
2	सोम	6/45	1	प्रतिपदा पड़िवा	दिन 12/26	ज्येष्ठा	दिन 3/27	धृति	दिन 3/43		धनु दिन 3/27 पर	
3	मंगल	6/45	2	द्वितीया	दिन 12/37	मूल	सायं 4/9	शूल	दिन 2/38			
4	बुध	6/45	3	तृतीया	दिन 12/19	पूर्वाषाढ़	दिन 4/23	गण्ड	दिन 1/11	रात्रि 11/55 से	मकर रात्रि 10/23 पर	वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्
5	गुरू	6/45	4	चतुर्थी	दिन 11/34	उत्तराषाढ़	दिन 4/11	वृद्धि	दिन 11/23	दिन 11/34 तक		
6	शुक्र	6/46	5	पंचमी	दिन 10/24	श्रवण	दिन 3/34	ध्रुव	दिन 9/15		कुम्भ रात्रि 3/10 पर	*पंचक प्रारम्भ रात्रि 3/10 , श्री राम-जानकी विवाहोत्सव पंचमी, गुरू तेग बहादुर शहीदी दिवस, कर्कोटक नाग पंचमी 5*
7	शनि	6/46	6	षष्ठी	दिन 8/52	धनिष्ठा	दिन 2/38	व्याघात हर्षण	प्रातः 6/49 रात्रि 4/8			
8	रवि	6/46	7 8	सप्तमी अष्टमी	प्रातः 7/2 रात्रि 4/57	शतभिषा	दिन 1/24	वज्र	रात्रि 1/15	प्रातः 7/2 से सायं 6/0 तक	मीन रात्रि 6/21 पर	
9	सोम	6/47	9	नवमी	रात्रि 2/42	पूर्वाभाद्रपद	दिन 11/58	सिद्धि	रात्रि 10/13			***नन्दा नवमी 9***
10	मंगल	6/47	10	दशमी	रात्रि 12/22	उत्तराभाद्रपद	दिन 10/23	व्यतिपात	रात्रि 7/7			
11	बुध	6/47	11	एकादशी	रात्रि 10/2	रेवती	दिन 8/44	वरीयान	दिन 3/59	दिन 11/12 से रात्रि 10/2 तक	मेष दिन 8/44 पर	*मोक्षदा एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्, गीता जयन्ती, पंचक समाप्त दिन 8/44*
12	गुरू	6/47	12	द्वादशी	रात्रि 7/44	अश्विनी भरणी	प्रातः 7/5 रात्रि 5/33	परिघ	दिन 12/53			एकादशी व्रत पारण दिन 8/42 तक
13	शुक्र	6/47	13	त्रयोदशी प्रदोष	सायं 5/37	कृत्तिका	रात्रि 4/12	शिव	दिन 9/53		वृष दिन 11/12 पर	***प्रदोष 13 व्रतम्***
14	शनि	6/47	14	चतुर्दशी	दिन 3/45	रोहिणी	रात्रि 3/29	सिद्ध साध्य	प्रातः 7/2 रात्रि 4/26	दिन 3/45 से रात्रि शेष 2/57 तक		***दत्त जयन्ती 15,*** व्रत पूर्णिमा 15
15	रवि	6/47	15	पूर्णिमा	दिन 2/11	मृगशीर्ष	रात्रि 2/27	शुभ	रात्रि 2/9		मिथुन दिन 2/46 पर	स्नान, दान,पूर्णिमा 15, *षोडशी त्रिपुर सुन्दरी जयन्ती, धनुस्थ सूर्य रात्रि 10/5 पर, धनु संक्रान्ति पुण्य काल दिन 11/51 से सूर्यास्त तक, खरमास प्रारम्भ*

अमृतसिद्धि योग - ता0 14 देर रात्रि 3/9 तक / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 6 दिन 3/34 तक, ता0 10 दिन 10/23 तक, ता0 12 प्रातः 7/5 तक , ता0 14 देर रात्रि 3/9 तक / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 7 दिन 8/52 से दिन 2/38 तक / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 12 देर रात्रि 5/33 से, ता0 13 देर रात्रि 4/12 से / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 4 दिन 4/23 से, ता0 5 दिन 4/11 तक, ता0 6 दिन 3/34 से ता0 7 दिन 2/38 तक, ता0 9 दिन 11/58 से ता0 11 दिन 8/44 तक, ता0 12 देर रात्रि 5/33 से ता0 13 देर रात्रि 4/12 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** - ता0 5 दिन 11/34 से दिन 4/11 तक, ता0 7 दिन 2/38 तक, ता0 9 दिन 11/58 से, ता0 14 दिन 3/44 से

सूर्य - वृश्चिकस्थ, अनुराधा; 2 दिसम्बर से ज्येष्ठा; 15 दिसम्बर से धनुस्थ, मूल / ***भौम*** - कर्कस्थ, पुष्य; 7 दिसम्बर से वक्री / ***बुध*** - वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा, वक्री, अस्त; 8 दिसम्बर से अनुराधा; 11 दिसम्बर से पूर्वोदय; 15 दिसम्बर से मार्गी / ***गुरु*** - वृषस्थ, रोहिणी 4 चरण, वक्री / ***शुक्र*** - धनुस्थ, उत्तराषाढ़; 2 दिसम्बर से मकरस्थ; 10 दिसम्बर से श्रवण / ***शनि*** - कुम्भस्थ, शतभिषा 4 चरण / ***राहु*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद 2 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, उत्तराफाल्गुनी 4 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
16	सोम	6/47	1	प्रतिपदा पड़िवा	दिन 1/1	आर्द्रा	रात्रि 2/11	शुक्ल	रात्रि 12/13			
17	मंगल	6/48	2	द्वितीया	दिन 12/20	पुनर्वसु	रात्रि 2/25	ब्रह्म	रात्रि 10/39	रात्रिशेष 12/16 से	कर्क रात्रि 8/20 पर	
18	बुध	6/48	3	तृतीया	दिन 12/12	पुष्य	रात्रि 3/9	ऐन्द्र	रात्रि 9/31	दिन 12/12 तक		संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम् , चंद्रोदय रात्रि 8/11
19	गुरू	6/48	4	चतुर्थी	दिन 12/34	आश्लेषा	रात्रि 4/24	वैधृति	रात्रि 8/46		सिंह रात्रि 4/24 पर	
20	शुक्र	6/48	5	पंचमी	दिन 1/28	मघा	रात्रि 6/7	विष्कुम्भ	रात्रि 8/25			
21	शनि	6/48	6	षष्ठी	दिन 2/51	पूर्वाफाल्गुनी	समग्र	प्रीति	रात्रि 8/24	दिन 2/51 से रात्रिशेष 3/43 तक		
22	रवि	6/48	7	सप्तमी	दिन 4/35	पूर्वाफाल्गुनी	दिन 8/14	आयुष्मान	रात्रि 8/38		कन्या दिन 2/49 पर	
23	सोम	6/48	8	अष्टमी	सायं 6/34	उत्तराफाल्गुनी	दिन 10/37	सौभाग्य	रात्रि 9/2			
24	मंगल	6/48	9	नवमी	रात्रि 8/38	हस्त	दिन 1/9	शोभन	रात्रि 9/30		तुला रात्रि 2/25 पर	
25	बुध	6/48	10	दशमी	रात्रि 10/40	चित्रा	दिन 3/39	अतिगण्ड	रात्रि 9/55	दिन 9/40 से रात्रि 10/40 तक		
26	गुरु	6/48	11	एकादशी	रात्रि 12/30	स्वाती	सायं 6/1	सुकर्मा	रात्रि 10/12			***सफला एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्***
27	शुक्र	6/48	12	द्वादशी	रात्रि 2/2	विशाखा	रात्रि 8/6	धृति	रात्रि 10/15		वृश्चिक दिन 1/37 पर	एकादशी व्रत पारण प्रातः 8/49 तक
28	शनि	6/48	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 3/11	अनुराधा	रात्रि 9/50	शूल	रात्रि 10/1	रात्रिशेष 3/11 से		***शनि प्रदोष 13 व्रतम (संतान प्राप्ति हेतु)***
29	रवि	6/47	14	चतुर्दशी	रात्रि 3/51	ज्येष्ठा	रात्रि 11/8	गण्ड	रात्रि 9/26	दिन 3/31 तक	धनु रात्रि 11/8 पर	मासशिवरात्रि 14 व्रतम्
30	सोम	6/47	30	अमावस्या	रात्रि 4/2	मूल	रात्रि 11/58	वृद्धि	रात्रि 8/29			स्नान, दान, श्राद्ध सोमवती अमावस्या 30

सर्वार्थसिद्धि योग - ता0 22 दिन 8/14 से, ता0 27 रात्रि 8/6 से, ता0 29 रात्रि 11/8 से / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 17 दिन 12/20 तक, ता0 22 दिन 8/14 से दिन 4/35 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** - ता0 19 दिन 12/34 से, ता0 22 दिन 4/35 तक, ता0 26 दिन 6/1 तक, ता0 28 दिवस पर्यन्त

सूर्य - धनुस्थ, मूल; 28 दिसम्बर से पूर्वाषाढ़ / ***भौम*** - कर्कस्थ, पुष्य, वक्री / ***बुध*** - वृश्चिकस्थ, अनुराधा; 24 दिसम्बर से ज्येष्ठा / ***गुरु*** - वृषस्थ, रोहिणी 4 चरण, वक्री; 23 दिसम्बर से रोहिणी 3 चरण / ***शुक्र*** - मकरस्थ, श्रवण; 22 दिसम्बर से धनिष्ठा; 28 दिसम्बर से कुम्भस्थ / ***शनि*** - कुम्भस्थ, शतभिषा 4 चरण; 29 दिसम्बर से पूर्वाभाद्रपद 1 चरण / ***राहु*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद 2 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, उत्तराफाल्गुनी 4 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
31	मंगल	6/47	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 3/44	पूर्वाषाढ़	रात्रि 12/20	ध्रुव	रात्रि 7/10		मकर रात्रि 6/24पर	
1	बुध	6/47	2	द्वितीया	रात्रि 2/59	उत्तराषाढ़	रात्रि 12/16	व्याघात	सायं 5/30			
2	गुरू	6/46	3	तृतीया	रात्रि 1/49	श्रवण	रात्रि 11/47	हर्षण	दिन 3/30			
3	शुक्र	6/46	4	चतुर्थी	रात्रि 12/17	धनिष्ठा	रात्रि 10/57	वज्र	दिन 1/11	दिन 1/3 से रात्रिशेष 12/17 तक	कुम्भ दिन 11/25 पर	वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्, ***पंचक प्रारम्भ दिन 11/25***
4	शनि	6/46	5	पंचमी	रात्रि 10/28	शतभिषा	रात्रि 9/48	सिद्धि	दिन 10/37			
5	रवि	6/46	6	षष्ठी	रात्रि 8/24	पूर्वाभाद्रपद	रात्रि 8/26	व्यतिपात वरीयान	प्रातः 7/50 रात्रि 4/51		मीन दिन 2/48 पर	
6	सोम	6/45	7	सप्तमी	सायं 6/11	उत्तराभाद्रपद	सायं 6/53	परिघ	रात्रि 1/46	सायं 6/11 से रात्रिशेष 5/0 तक		***गुरू गोविन्द सिंह जयन्ती***
7	मंगल	6/45	8	अष्टमी	दिन 3/50	रेवती	सायं 5/14	शिव	रात्रि 10/37		मेष सायं 5/14 पर	***पंचक समाप्त सायं 5/14***
8	बुध	6/44	9	नवमी	दिन 1/29	अश्विनी	दिन 3/35	सिद्ध	रात्रि 7/29			
9	गुरु	6/44	10	दशमी	दिन 11/0	भरणी	दिन 2/0	साध्य	दिन 4/25	रात्रि 10/7 से	वृष रात्रि 7/38 पर	
10	शुक्र	6/44	11	एकादशी	दिन 9/3	कृत्तिका	दिन 12/34	शुभ	दिन 1/30	दिन 9/3 तक		***पुत्रदा एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्***
11	शनि	6/43	12 13	द्वादशी त्रयोदशी	प्रातः 7/8 रात्रि 5/35	रोहिणी	दिन 11/24	शुक्ल	दिन 10/47		मिथुन रात्रि 10/57पर	***शनि प्रदोष 13 व्रतम् (संतान प्राप्ति हेतु),*** एकादशी व्रत पारण प्रातः 7/8 तक
12	रवि	6/43	14	चतुर्दशी	रात्रि 4/28	मृगशीर्ष	दिन 10/35	ब्रह्म ऐन्द्र	प्रातः 8/20 रात्रि 6/13	रात्रिशेष 4/28 से		
13	सोम	6/42	15	पूर्णिमा	रात्रि 3/48	आर्द्रा	दिन 10/11	वैधृति	रात्रि 4/31	दिन 4/7 तक	कर्क रात्रि 4/12 पर	स्नान, दान, व्रत पौष पूर्णिमा 15, ***प्रयागे माघ स्नान व्रत-यम-नियम प्रारम्भ, प्रयागे कुम्भ त्रिवेणी संगम स्नान***

अमृतसिद्धि योग - ता0 7 सायं 5/14 से, ता0 11 दिन 11/24 तक / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 5 रात्रि 8/26 से, ता0 7 सायं 3/14 से, ता0 11 दिन 11/24 तक / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 31 देर रात्रि 3/44 से / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 9 दिन 2/0 से ता. 10 दिन 12/34 से / ***रवि योग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 2 रात्रि 11/47 से, ता0 3 रात्रि 10/57 तक, ता0 4 रात्रि 9/48 से, ता0 5 रात्रि 8/26 तक, ता0 7 सायं 5/14 से, ता0 9 दिन 2/0 तक, ता0 12 दिन 10/35 से, ता0 13 दिन 10/11 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** - ता0 6 सायं 6/10 तक, ता0 9 दिन 11/0 से दिन 2/0 तक, ता0 11 दिन 11/24 तक, ता0 13 दिन 10/11 से

सूर्य - धनुस्थ, पूर्वाषाढ; 10 जनवरी से उत्तराषाढ़ / ***भौम*** - कर्कस्थ, पुष्य, वक्री / ***बुध*** - वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा; 4 जनवरी से धनुस्थ, मूल; 13 जनवरी से पूर्वाषाढ़ / ***गुरु*** - वृषस्थ, रोहिणी 3 चरण, वक्री / ***शुक्र*** - कुम्भस्थ, धनिष्ठा; 3 जनवरी से शतभिषा / ***शनि*** - कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद 1 चरण / ***राहु*** - मीनस्थ; उत्तराभाद्रपद 2 चरण; 1 जनवरी से उत्तराभाद्रपद 1 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, उत्तराफाल्गुनी 4 चरण; 1 जनवरी से उत्तराफाल्गुनी 3 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
14	मंगल	6/42	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 3/41	पुनर्वसु	दिन 10/17	विष्कुम्भ	रात्रि 3/14			***मकरस्थ सूर्य दिन 8/47 पर, मंकर संक्रान्ति पुण्यकाल, दिन 8/47 से सूर्यास्त तक, खरमास समाप्त, प्रयागे प्रथम कुम्भ त्रिवेणी संगम शाही स्नान***
15	बुध	6/42	2	द्वितीया	रात्रि 4/6	पुष्य	दिन 10/54	प्रीति	रात्रि 2/21			
16	गुरू	6/41	3	तृतीया	रात्रि 5/3	आश्लेषा	दिन 12/2	आयुष्मान	रात्रि 1/53	दिन 4/35से रा.शेष 5/3तक	सिंह दिन 12/2 पर	
17	शुक्र	6/41	4	चतुर्थी	रात्रि 6/26	मघा	दिन 1/39	सौभाग्य	रात्रि 1/45			संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम् , चंद्रोदय रात्रि 8/48
18	शनि	6/41	5	पंचमी	समग्र	पूर्वाफाल्गुनी	दिन 3/41	शोभन	रात्रि 1/54		कन्या रात्रि 10/14 पर	
19	रवि	6/40	5	पंचमी	प्रातः 8/13	उत्तराफाल्गुनी	सायं 6/0	अतिगण्ड	रात्रि 2/16			
20	सोम	6/40	6	षष्ठी	दिन 10/13	हस्त	रात्रि 8/29	सुकर्मा	रात्रि 2/43	दिन 10/13से रात्रि 11/15तक		
21	मंगल	6/40	7	सप्तमी	दिन 12/17	चित्रा	रात्रि 11/0	धृति	रात्रि 3/10		तुला दिन 9/45 पर	
22	बुध	6/38	8	अष्टमी	दिन 2/17	स्वाती	रात्रि 1/24	शूल	रात्रि 3/30			
23	गुरू	6/38	9	नवमी	दिन 4/5	विशाखा	रात्रि 3/34	गण्ड	रात्रि 3/39	रात्रि शेष 4/50 से	वृश्चिक रात्रि 9/2 पर	
24	शुक्र	6/38	10	दशमी	सायं 5/34	अनुराधा	रात्रि 5/24	वृद्धि	रात्रि 3/31	सायं 5/34 तक		
25	शनि	6/37	11	एकादशी	सायं 6/40	ज्येष्ठा	समग्र	ध्रुव	रात्रि 3/5			***षटतिला एकादशी 11 व्रत सर्वेषाम्,*** तिल स्नान-दान-होम-भोजन
26	रवि	6/36	12	द्वादशी	रात्रि 7/18	ज्येष्ठा	प्रातः 6/50	व्याघात	रात्रि 2/17		धनु प्रातः 6/50 पर	***भारतीय गणतंत्र दिवस (76)***, एकादशी व्रत पारण प्रातः 8/54 तक, ***तिलोत्पत्ति 12 द्वादशी***
27	सोम	6/36	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 7/29	मूल	प्रातः 7/47	हर्षण	रात्रि 1/7	रात्रि 7/29 से		***सोम प्रदोष 13 व्रतम् (कुलदेव प्रसन्नता हेतु)*** मास शिवरात्रि 14 व्रतम्
28	मंगल	6/35	14	चतुर्दशी	रात्रि 7/10	पूर्वाषाढ़	दिन 8/18	वज्र	रात्रि 11/35	प्रातः 7/18 तक	मकर दिन 2/19 पर	
29	बुध	6/35	30	अमावस्या	सायं 6/25	उत्तराषाढ़	दिन 8/22	सिद्धि	रात्रि 9/43			***स्नान दान श्राद्ध मौनी अमावस्या 30, प्रयागे कुम्भ त्रिवेणी संगम द्वितीय शाही स्नान***

अमृतसिद्धि योग - ता0 19 सायं 6/0 से / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 19 समग्र, ता0 23 देर रात्रि 3/34 से, ता0 24 देर रात्रि 5/24 तक, ता0 26 प्रातः 6/50 से / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 21 दिन 12/17 तक / ***रवि योग (सर्वदोष नाशक)*** - ता0 19 सायं 6/0 से, ता0 20 रात्रि 8/29 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** - ता0 16 दिन 12/2 तक, ता0 18 दिन 3/41 से, ता0 20 दिन 10/12 से

सूर्य - धनुस्थ, उत्तराषाढ़; 14 जनवरी से मकरस्थ; 23 जनवरी से श्रवण / ***भौम*** - कर्कस्थ, पुष्य, वक्री; 14 जनवरी से पुनर्वसु; 24 जनवरी से मिथुनस्थ / ***बुध*** - धनुस्थ, पूर्वाषाढ़ ; 20 जनवरी से पूर्वास्त; 22 जनवरी से उत्तराषाढ़; 24 जनवरी से मकरस्थ / ***गुरु*** - वृषस्थ, रोहिणी 3 चरण, वक्री / ***शुक्र*** - कुम्भस्थ, शतभिषा; 16 जनवरी से पूर्वाभाद्रपद; 27 जनवरी से मीनस्थ / ***शनि*** - कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद 1 चरण / ***राहु*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद 1 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, उत्तराफाल्गुनी 3 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
30	गुरू	6/35	1	प्रतिपदा पड़िवा	सायं 5/16	श्रवण	दिन 8/1	व्यतिपात	रात्रि 7/32		कुम्भ रात्रि 7/39 पर	***पंचक प्रारम्भ रात्रि 7/39, माघ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा गुप्त नवरात्र प्रारम्भ***
31	शुक्र	6/33	2	द्वितीया	दिन 3/45	धनिष्ठा शतभिषा	प्रातः 7/18 रात्रि 6/14	वरीयान	सायं 5/5			
1	शनि	6/33	3	तृतीया	दिन 1/56	पूर्वाभाद्रपद	रात्रि 4/55	परिघ	दिन 2/23	रात्रिशेष 12/54 से	मीन रात्रि 11/15 पर	
2	रवि	6/32	4	चतुर्थी	दिन 11/52	उत्तराभाद्रपद	रात्रि 3/23	शिव	दिन 11/29	दिन 11/52 तक		वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्
3	सोम	6/32	5	पंचमी	दिन 9/16	रेवती	रात्रि 1/44	सिद्धि साध्य	प्रातः 8/27 रात्रि 5/18		मेष रात्रि 1/44 पर	*वसन्त पंचमी 5, वागीश्वरी जयन्ती, प्रयागे कुम्भ त्रिवेणी संगम तृतीय शाही स्नान, पंचक समाप्त रात्रि 1/44*
4	मंगल	6/31	6 7	षष्ठी सप्तमी	प्रातः 7/14 रात्रि 4/50	अश्विनी	रात्रि 12/3	शुभ	रात्रि 2/8	रात्रि शेष 4/50 से		*रथ सप्तमी 7, अचला सप्तमी, सूर्य रथोत्सव, अरूणोदय स्नान, आरोग्य पुत्र सप्तमी, भानु सप्तमी*
5	बुध	6/31	8	अष्टमी	रात्रि 2/31	भरणी	रात्रि 10/25	शुक्ल	रात्रि 11/2	दिन 3/29 तक	वृष रात्रि 4/1 पर	***भीष्म अष्टमी 8 , भीष्म हेतु तिल तर्पण, श्राद्ध, बुधाष्टमी***
6	गुरू	6/30	9	नवमी	रात्रि 12/22	कृत्तिका	रात्रि 8/55	ब्रह्म	रात्रि 8/2			***माघ शुक्ल पक्ष नवमी गुप्त नवरात्र पूर्ण, महानन्दा नवमी 9***
7	शुक्र	6/30	10	दशमी	रात्रि 10/28	रोहिणी	रात्रि 7/40	ऐन्द्र	दिन 5/14			
8	शनि	6/29	11	एकादशी	रात्रि 8/55	मृगशीर्ष	सायं 6/44	वैधृति	दिन 2/41	दिन 9/41 से रात्रि 8/55 तक	मिथुन प्रातः 7/7 पर	***जया एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम् , भीष्म एकादशी 11***
9	रवि	6/28	12	द्वादशी	रात्रि 7/47	आर्द्रा	सायं 6/13	विष्कुम्भ	दिन 12/27			***भीष्म द्वादशी, तिल द्वादशी,*** एकादशी व्रत पारण प्रातः 8/51 तक
10	सोम	6/28	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 7/8	पुनर्वसु	सायं 6/11	प्रीति	दिन 10/36		कर्क दिन 12/7 पर	***सोम प्रदोष 13 व्रतम् (कुल देव प्रसन्नता हेतु)***
11	मंगल	6/27	14	चतुर्दशी	रात्रि 7/2	पुष्य	सायं 6/40	आयुष्मान	दिन 9/9	रात्रि 7/2 से		
12	बुध	6/26	15	पूर्णिमा	रात्रि 7/29	आश्लेषा	रात्रि 7/40	सौभाग्य	प्रातः 8/8	प्रातः 7/15 तक	सिंह रात्रि 7/40 पर	***स्नान-दान-व्रत, माघी पूर्णिमा 15, प्रयागे कुम्भ त्रिवेणीसंगमस्नान, सतिल पात्र, उनी वस्त्रादि दान, प्रयागस्थ माघ स्नान-व्रत-यम-नियम समाप्त, कुम्भस्थसूर्य रात्रि 9/44 पर, कुम्भसंक्रान्ति पुण्यकाल दिन 12/10 से सूर्यास्त तक***

अमृतसिद्धि योग - ता0 4 देर रात्रि 12/3 तक / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 2 देर रात्रि 3/23 तक, ता0 4 देर रात्रि 12/3 तक, ता0 5 रात्रि 10/25 से,ता0 10 सायं 6/11 से, ता0 11 सायं 6/40 से / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 9 सायं 6/13 से रात्रि 7/47 तक / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 6 रात्रि 8/55 तक, ता0 रात्रि 7/40 तक / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 31 देर रात्रि 6/14 से, ता0 1 देर रात्रि 4/55 तक, ता0 2 देर रात्रि 3/23 से, ता0 3 देर रात्रि 1/44 तक, ता0 5 रात्रि 10/25 से ता0 6 प्रातः 7/40 तक, ता0 6 रात्रि 8/55 से ता0 8 सायं 6/44 तक, ता0 10 सायं 6/11 से ता0 11 सायं 6/40 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** - ता0 30 दिन 8/1 से सायं 5/16 तक

सूर्य - मकरस्थ, श्रवण; 6 फरवरी से धनिष्ठा; 12 फरवरी से कुम्भस्थ / ***भौम*** - मिथुनस्थ, पुनर्वसु, वक्री / ***बुध*** - मकरस्थ, उत्तराषाढ़, अस्त; 30 जनवरी से श्रवण; 7 फरवरी से धनिष्ठा; 11 फरवरी से कुम्भस्थ / ***गुरु*** - वृषस्थ, रोहिणी 3 चरण, वक्री; 4 फरवरी से मार्गी / ***शुक्र*** - मीनस्थ, पूर्वाभाद्रपद; 31 जनवरी से उत्तराभाद्रपद / ***शनि*** - कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद 1 चरण; 3 फरवरी से पूर्वाभाद्रपद 2 चरण / ***राहु*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद 1 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, उत्तराफाल्गुनी 3 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
13	गुरू	6/26	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 8/26	मघा	रात्रि 9/10	शोभन	प्रातः 7/32			
14	शुक्र	6/25	2	द्वितीया	रात्रि 9/50	पूर्वाफाल्गुनी	रात्रि 11/6	अतिगण्ड	प्रातः 7/18		कन्या रात्रि 5/37 पर	
15	शनि	6/24	3	तृतीया	रात्रि 11/36	उत्तराफाल्गुनी	रात्रि 1/21	सुकर्मा	प्रातः 7/24	दिन 10/42 से रात्रि 11/36 तक		
16	रवि	6/23	4	चतुर्थी	रात्रि 1/33	हस्त	रात्रि 3/49	धृति	प्रातः 7/43			संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम् , चंद्रोदय रात्रि 9/13
17	सोम	6/23	5	पंचमी	रात्रि 3/36	चित्रा	रात्रि 6/20	शूल	दिन 8/9		तुला दिन 5/4 पर	
18	मंगल	6/22	6	षष्ठी	रात्रि 5/35	स्वाती	समग्र	गण्ड	दिन 8/38	रात्रिशेष 5/35 से		
19	बुध	6/21	7	सप्तमी	समग्र	स्वाती	दिन 8/46	वृद्धि	दिन 9/1	सायं 6/28 तक	वृश्चिक रात्रि 4/27 पर	
20	गुरू	6/20	7	सप्तमी	प्रातः 7/20	विशाखा	दिन 10/59	ध्रुव	दिन 9/15			***सीताष्टमी 8, (सीता जन्म मध्यान्ह)***
21	शुक्र	6/19	8	अष्टमी	दिन 8/47	अनुराधा	दिन 12/53	व्याघात	दिन 9/14			
22	शनि	6/19	9	नवमी	दिन 9/50	ज्येष्ठा	दिन 2/24	हर्षण	दिन 8/56	रात्रि 10/9 से	धनु दिन 2/24 पर	
23	रवि	6/18	10	दशमी	दिन 10/28	मूल	दिन 3/29	वज्र	दिन 8/18	दिन 10/28 तक		
24	सोम	6/17	11	एकादशी	दिन 10/35	पूर्वाषाढ़	दिन 4/8	सिद्धि व्यतिपात	प्रातः 7/18 रात्रि 5/56		मकर रात्रि 10/13 पर	***विजया एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्***
25	मंगल	6/17	12	द्वादशी	दिन 10/16	उत्तराषाढ़	दिन 4/20	वरीयान	रात्रि 4/13			एकादशी पारण प्रातः 8/43 तक, ***भौम प्रदोष 13 व्रतम् (ऋण मुक्ति हेतु)***
26	बुध	6/16	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 9/31	श्रवण	दिन 4/6	परिघ	रात्रि 2/10	दिन 9/31 से रात्रि 8/55 तक	कुम्भ रात्रि 3/52 पर	***महाशिवरात्रि 14 व्रतम्, प्रयागे अंतिम कुम्भ त्रिवेणी संगम स्नान, निशीथ काल पूजन काल रात्रि 11/48 से रात्रिशेष 12/38 तक, वैद्यनाथ जयन्ती, फक्क प्रारम्भ रात्रिशेष 3/52***
27	गुरु	6/15	14	चतुर्दशी	दिन 8/20	धनिष्ठा	दिन 3/29	शिव	रात्रि 11/49			श्राद्ध अमावस्या 30
28	शुक्र	6/14	30 1	अमावस्या प्रतिपदा	प्रातः 6/49 रात्रि 4/56	शतभिषा	दिन 2/31	सिद्ध	रात्रि 9/12			स्नान, दान अमावस्या 30

अमृतसिद्धि योग - ता. 16 देर रात्रि 3/49 तक / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 6 देर रात्रि 3/49 तक, ता0 20 दिन 10/59 से, ता0 21 दि 12/53 से, ता0 23 दिन 3/29 तक / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 25 दिन 10/16 तक / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 15 देर रात्रि 1/21 से / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 16 देर रात्रि 6/20 से ता0 19 दिन 8/46 तक, ता0 19 दिन 12/11 से, ता0 20 दिन 10/59 तक / ***याजीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** - ता0 15 दिवस पर्यन्त

सूर्य - कुम्भस्थ, धनिष्ठा; 19 फरवरी से शतभिषा / ***भौम*** - मिथुनस्थ, पुनर्वसु, वक्री; 24 फरवरी से मार्गी / ***बुध*** - कुम्भस्थ, धनिष्ठा, अस्त; 14 फरवरी से शतभिषा; 22 फरवरी से पूर्वाभाद्रपद; 22 फरवरी से पश्चिमोदय; 27 फरवरी से मीनस्थ / ***गुरु*** - वृषस्थ, रोहिणी 3 चरण / ***शुक्र*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद; 26 फरवरी से रेवती / ***शनि*** - कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद 2 चरण; 28 फरवरी से पश्चिमास्त / ***राहु*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद 1 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, उत्तराफाल्गुनी 3 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
1	शनि	6/13	2	द्वितीया	रात्रि 2/49	पूर्वाभाद्रपद	दिन 1/16	साध्य	सायं 6/23		मीन प्रातः 7/38 पर	***श्रीमद्भागवतोक्त द्वादश दिवसीय पयोव्रत (पुत्रकामना हेतु)***
2	रवि	6/12	3	तृतीया	रात्रि 12/31	उत्तराभाद्रपद	दिन 11/48	शुभ	दिन 3/23			
3	सोम	6/12	4	चतुर्थी	रात्रि 10/7	रेवती	दिन 10/10	शुक्ल	दिन 12/16	दिन 11/18 से रात्रि 10/7 तक	मेष दिन 10/10 पर	***पंचक समाप्त दिन 10/10***
4	मंगल	6/11	5	पंचमी	रात्रि 7/40	अश्विनी	दिन 8/27	ब्रह्म ऐन्द्र	दिन 9/56 रात्रि 5/57			
5	बुध	6/11	6	षष्ठी	सायं 5/19	भरणी कृत्तिका	प्रातः 6/45 रात्रि 5/10	वैधृति	रात्रि 2/54		वृष दिन 12/21 पर	
6	गुरू	6/10	7	सप्तमी	दिन 3/8	रोहिणी	रात्रि 3/49	विष्कुम्भ	रात्रि 12/1	दिन 3/8 से रात्रिशेष 2/10 तक		
7	शुक्र	6/10	8	अष्टमी	दिन 1/10	मृगशीर्ष	रात्रि 2/47	प्रीति	रात्रि 9/23		मिथुन दिन 3/17 पर	***होलाष्टक प्रारम्भ***
8	शनि	6/9	9	नवमी	दिन 11/35	आर्द्रा	रात्रि 2/9	आयुष्मान	रात्रि 7/4			
9	रवि	6/8	10	दशमी	दिन 10/25	पुनर्वसु	रात्रि 1/59	सौभाग्य	सायं 5/6	रात्रि 10/7 से	कर्क रात्रि 8/0 पर	
10	सोम	6/7	11	एकादशी	दिन 9/48	पुष्य	रात्रि 2/20	शोभन	दिन 3/33	दिन 9/48 तक		***आमलकी एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्, रंगभरी एकादशी 11***
11	मंगल	6/7	12	द्वादशी	दिन 9/40	आश्लेषा	रात्रि 3/13	अतिगण्ड	दिन 2/25		सिंह रात्रि 3/13 पर	***भौम प्रदोष 13 व्रतम् (ऋण मुक्ति हेतु),*** एकादशी व्रत पारण दिन 8/34 तक
12	बुध	6/6	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 10/7	मघा	रात्रि 4/37	सुकर्मा	दिन 1/43			
13	गुरू	6/5	14	चतुर्दशी	दिन 11/7	पूर्वाफाल्गुनी	समग्र	धृति	दिन 1/24	दिन 11/7 से रात्रि 11/49 तक		***होलिका दहन रात्रि 11/49 उपरांत,*** व्रत पूर्णिमा 15
14	शुक्र	6/4	15	पूर्णिमा	दिन 12/30	पूर्वाफाल्गुनी	प्रातः 6/27	शूल	दिन 1/26		कन्या दिन 1/0 पर	स्नान-दान पूर्णिमा 15, *श्री चैतन्य महाप्रभु जयन्ती, होलिका विभूति धारण, मीनस्थ सूर्य सायं 6/36 पर, मीन संक्रान्ति पुण्यकाल दिन 12/6 से सूर्यास्त तक, खर मास प्रारम्भ*

अमृतसिद्धि योग - ता0 4 दिन 8/27 तक / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 2 दिन 11/48 तक, ता0 4 दिन 8/27 तक, ता0 5 प्रातः 6/45 से, ता0 9 देर रात्रि 1/59 से, ता0 10 देर रात्रि 2/20 तक, ता0 11 देर रात्रि 3/13 तक / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 1 दिन 1/16 तक / ***रवियोग (सर्व दोष नाशक)*** - ता0 3 दिन 10/10 से, ता0 4 दिन 8/27 तक, ता0 5 प्रातः 6/45 से देर रात्रि 5/10 तक, ता0 7 देर रात्रि 2/47 से ता0 9 देर रात्रि 1/59 तक, ता0 11 देर रात्रि 3/13 से ता0 12 देर रात्रि 4/37 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** - ता0 2 दिवस पर्यन्त, ता0 6 दिन 3/7 तक, ता0 9 दिन 10/25 से, ता0 14 प्रातः 6/27 से दिवस पर्यन्त

सूर्य - कुम्भस्थ, शतभिषा; 4 मार्च से पूर्वाभाद्रपद; 14 मार्च से मीनस्थ / ***भौम*** - मिथुनस्थ, पुनर्वसु / ***बुध*** - मीनस्थ, पूर्वाभाद्रपद; 1 मार्च से उत्तराभाद्रपद; 14 मार्च से वक्री / ***गुरु*** - वृषस्थ, रोहिणी 3 चरण / ***शुक्र*** - मीनस्थ, रेवती; 1 मार्च से वक्री; 5 मार्च से उत्तराभाद्रपद / ***शनि*** - कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद 2 चरण, अस्त; 4 मार्च से पूर्वाभाद्रपद 3 चरण / ***राहु*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद 1 चरण; 6 मार्च से पूर्वाभाद्रपद 4 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, उत्तराफाल्गुनी 3 चरण; 6 मार्च से उत्तराफाल्गुनी 2 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
15	शनि	6/3	1	प्रतिपदा पड़िवा	दिन 2/14	उत्तराफाल्गुनी	दिन 8/40	गण्ड	दिन 1/42			
16	रवि	6/2	2	द्वितीया	दिन 4/10	हस्त	दिन 11/6	वृद्धि	दिन 2/8	रात्रि शेष 5/11 से	तुला रात्रि 12/21 पर	***शुक्र वार्धक्य प्रारम्भ सायं 6/33, संत तुकाराम जयन्ती***
17	सोम	6/1	3	तृतीया	सायं 6/11	चित्रा	दिन 1/36	ध्रुव	दिन 2/37	सायं 6/11 तक		संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम् , चंद्रोदय रात्रि 8/49
18	मंगल	6/1	4	चतुर्थी	रात्रि 8/5	स्वाती	दिन 4/3	व्याघात	दिन 3/3			
19	बुध	6/0	5	पंचमी	रात्रि 9/48	विशाखा	सायं 6/19	हर्षण	दिन 3/22		वृश्चिक दिन 11/47 पर	***शुक्र पश्चिमास्त सायं 6/33, रंग पंचमी***
20	गुरू	5/59	6	षष्ठी	रात्रि 11/12	अनुराधा	रात्रि 8/18	वज्र	दिन 3/27	रात्रि 11/12 से		
21	शुक्र	5/58	7	सप्तमी	रात्रि 12/12	ज्येष्ठा	रात्रि 9/56	सिद्धि	दिन 3/15	दिन 11/42 तक	धनु रात्रि 9/56 पर	
22	शनि	5/58	8	अष्टमी	दिन 12/47	मूल	रात्रि 11/8	व्यतिपात	दिन 2/45			***शुक्र पूर्वोदय रात्रि शेष 5/38,*** शीतलाष्टमी 8
23	रवि	5/57	9	नवमी	रात्रि 12/54	पूर्वाषाढ़	रात्रि 11/54	वरीयान	दिन 1/53			
24	सोम	5/56	10	दशमी	रात्रि 12/34	उत्तराषाढ़	रात्रि 12/14	परिघ	दिन 12/41	दिन 12/43 से रात्रि शेष 12/34 तक	मकर प्रातः 6/4 पर	
25	मंगल	5/56	11	एकादशी	रात्रि 11/46	श्रवण	रात्रि 12/7	शिव	दिन 11/7			***शुक्र बालत्व समाप्ति रात्रि शेष 5/38, पापमोचनी एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्***
26	बुध	5/55	12	द्वादशी	रात्रि 10/34	धनिष्ठा	रात्रि 11/36	सिद्ध	दिन 9/13		कुम्भ दिन 11/54 पर	***पंचक प्रारम्भ दिन 11/54,*** एकादशी पारण दिन 8/23 तक
27	गुरु	5/54	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 9/0	शतभिषा	रात्रि 10/43	साध्य शुभ	प्रातः 7/0 रात्रि 4/29	रात्रि 9/0 से		***प्रदोष 13 व्रतम्*** , मास शिवरात्रि 14 व्रतम्
28	शुक्र	5/54	14	चतुर्दशी	रात्रि 7/6	पूर्वाभाद्रपद	रात्रि 9/31	शुक्ल	रात्रि 1/44	दिन 8/3 तक	मीन दिन 3/51 पर	
29	शनि	5/53	30	अमावस्या	दिन 4/57	उत्तराभाद्रपद	रात्रि 8/4	ब्रह्म	रात्रि 10/47			स्नान, दान, श्राद्ध अमावस्या, ***पूर्णवत्सरी 30 अमावस्या, चाद्र संवत्सवर समाप्त***

अमृतसिद्धि योग - ता0 16 दिन 11/6 तक, ता0 19 सायं 6/19 से / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 16 दिन 11/6 तक, ता0 19 सायं 6/19 से, ता0 20 रात्रि 8/18 तक, ता0 23 रात्रि 11/54 से, ता0 24 देर रात्रि 12/14 से / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 16 दिन 11/6 से दिन 4/10 तक / ता0 25 देर रात्रि 12/7 से / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 15 दिन 8/40 से / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 20 रात्रि 8/18 से ता0 21 रात्रि 9/56 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 15 दिन 2/14 तक, ता0 17 दिन 1/36 से

सूर्य - मीनस्थ, पूर्वाभाद्रपद; 17 मार्च से उत्तराभाद्रपद / ***भौम*** - मिथुनस्थ, पुनर्वसु; 29 मार्च से कर्कस्थ / ***बुध*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद, वक्री; 18 मार्च से पश्चिमास्त / ***गुरु*** - वृषस्थ, रोहिणी 3 चरण; 19 मार्च से रोहिणी 4 चरण / ***शुक्र*** - मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद, वक्री; 19 मार्च से पश्चिमास्त; 22 मार्च से पूर्वोदय / ***शनि*** - कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद 3 चरण, अस्त / ***राहु*** - मीनस्थ, पूर्वाभाद्रपद 4 चरण / ***केतु*** - कन्यास्थ, उत्तराफाल्गुनी 2 चरण

भारतीय पर्व एवं व्रतोपवास - श्री संवत 2081 (सन् 2024-2025)

सन् 2024

चांद्र संवत्सर- वासंतीय नवरात्रारम्भ	मंगल	9 अप्रैल
सतुआ संक्रान्ति / वैशाखी	शनि	13 अप्रैल
दुर्गाष्टमी	मंगल	16 अप्रैल
श्री राम नवमी	बुध	17 अप्रैल
श्री महावीर जयन्ती	रवि	21 अप्रैल
श्री परशुराम जयन्ती	शुक्र	10 मई
अक्षय तृतीया	शुक्र	10 मई
आद्य जगद्गुरू शंकराचार्य जयन्ती	रवि	12 मई
श्री गंगा सप्तमी	मंगल	14 मई
श्री नृसिंह जयन्ती	मंगल	21 मई
स्वयंभू भगवान श्री श्री राधारमण देव जू जयन्ती	गुरू	23 मई
श्री बुद्ध पूर्णिमा	गुरू	23 मई
वट सावित्री व्रत	गुरू	6 जून
श्री गंगा दशहरा	रवि	16 जून
सन्त कबीर जयन्ती	शनि	22 जून
श्री जगन्नाथ रथयात्रा	रवि	7 जुलाई
श्री विष्णु शयनी एकादशी	बुध	17 जुलाई
गुरू पूर्णिमा (व्यास पूजन)	रवि	21 जुलाई
श्री नाग पंचमी	शुक्र	9 अगस्त
भारतीय स्वतंत्रता दिवस	गुरू	15 अगस्त
गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती	रवि	11 अगस्त
रक्षा बन्धन	सोम	19 अगस्त
कज्जली (कजरी)	गुरू	22 अगस्त
बहुला संकष्टी गणेश चतुर्थी	गुरू	22 अगस्त
हलषष्ठी (ललही छठ)	रवि	25 अगस्त
श्री कृष्ण जन्माष्टमी	सोम/मंगल	26/27 अगस्त
हरतालिका (बड़ी तीज)	शुक्र	6 सितम्बर
वरद गणेश चतुर्थी	शनि	7 सितम्बर
ऋषि पंचमी	रवि	8 सितम्बर
लोलार्क षष्ठी (छठ)	सोम	9 सितम्बर
श्री अनंत चतुर्दशी	मंगल	17 सितम्बर
श्री विश्वकर्मा पूजन	मंगल	17 सितम्बर
महालय आरंभ	मंगल	17 सितम्बर

जीवत्पुत्रिका व्रत (जिउतिया)	बुध	25 सितम्बर
गांधी जयन्ती	बुध	2 अक्टूबर
पितृ विसर्जन अमावस्या	बुध	2 अक्टूबर
शारदीय नवरात्रारम्भ	गुरू	3 अक्टूबर
दुर्गा महा अष्टमी	शुक्र	11 अक्टूबर
दुर्गा महा नवमी	शुक्र	11 अक्टूबर
विजया दशमी	शनि	12 अक्टूबर
भरत मिलाप	रवि	13 अक्टूबर
शरद पूर्णिमा/कोजागरी	बुध	16 अक्टूबर
महर्षि वाल्मीकि जयन्ती	गुरू	17 अक्टूबर
करवा (करक) चौथ	रवि	20 अक्टूबर
धनतेरस (धन त्रयोदशी)	मंगल	29 अक्टूबर
दीपावली	शुक्र	1 नवम्बर
अन्नकूट	शनि	2 नवम्बर
भ्रातृ द्वितीया (भइया दूज)	रवि	3 नवम्बर
श्री सूर्य षष्ठी (डाला छठ)	गुरू	7 नवम्बर
प्रबोधिनी देवोत्थान एकादशी	मंगल	12 नवम्बर
कार्तिकी पूर्णिमा / देव दीपावली	शुक्र	15 नवम्बर
गुरू नानक जयन्ती	शुक्र	15 नवम्बर
महाभैरवाष्टमी	शनि	23 नवम्बर

सन् 2025

मकर संक्रान्ति	मंगल	14 जनवरी
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रतम्	शुक्र	17 जनवरी
भारतीय गणतन्त्र दिवस	रवि	26 जनवरी
मौनी अमावस्या	बुध	29 जनवरी
श्री वसन्त पंचमी	सोम	3 फरवरी
रथ सप्तमी (अचला सप्तमी)	मंगल	4 फरवरी
माघी पूर्णिमा	बुध	12 फरवरी
संत रविदास जयन्ती	बुध	12 फरवरी
महाशिवरात्रि	बुध	26 फरवरी
रंगभरी एकादशी	सोम	10 मार्च
होलिका दहन	गुरू	13 मार्च
होली रंग	शुक्र	14 मार्च
बुढ़वा मंगल/वृद्ध मंगल	मंगल	25 मार्च

श्रीसंवत 2081 तथा शकाब्द 1946 में ***काल युक्त*** नामक संवत्सर की निरंतरता होगी। इस संवत्सर में ***राजा मंगल*** तथा **मन्त्री शनि** है। इन दोनों के मध्य सामंजस्य एवं सहयोग का अभाव है। शासन के उच्च स्तरों पर आंतरिक असहयोग, भ्रम तथा निष्क्रियता की स्थिति बन सकती है। भारत के निकटवर्ती एवं कतिपय दूरवर्ती क्षेत्रों में गंभीर प्राकृतिक आपदा की विभीषिका संभव है। आतंकवाद अपने नवीन आयाम एवं रूप में कष्ट दे सकता है। उत्पादन तथा व्यापार के क्षेत्र में भारतीय अर्थव्यवस्था कतिपय सीमाओं के बावजूद अच्छा व निरंतरता में प्रदर्शन करेगी। अमेरिकी व यूरोपीय मन्दी का तुलनात्मक रूप से भारत पर उतना प्रभाव नहीं पड़ेगा। कतिपय बड़ी दुर्घटनायें मनश्चेतना को हिला सकती हैं। प्रायः वर्षा सामान्य रहने का संकेत है। कृषि के दृष्टिकोण से शारद धान्य के संदर्भ में खरीफ की फसल कतिपय असंतुलन के बावजूद पर्याप्त होगी। जहाँ तक ग्रैष्मिक धान्य का विचार है तो कृषि रोग आदि से हानि होने पर भी रबी की फसल पर्याप्त होगी।

मेषादि राशियों के संक्षिप्त फल (9 अप्रैल 2024 से 29 मार्च 2025 पर्यन्त)

मेष 

सुवर्ण पादस्थ शनि सर्वतोभावेन भौतिक संदर्भों में पर्याप्त लाभप्रद है। यद्यपि संघर्ष अंतर्निहित है। रजत पादस्थ गुरू पूर्वार्ध में कष्ट व शैक्षणिक क्षेत्र में थोड़ी प्रतिकूलता का अनुभव कराने पर भी उत्तरार्ध में सुवर्ण पादस्थ होकर स्वास्थ्य तथा अर्जन की अनुकूलता प्रदान करायेगा। विदेश यात्रा संभाव्य है। वाहन से कष्ट संभव है। उदर व्याधि यदि पुरानी हो तो विशेष सतर्क रहें। अचल संपत्ति का स्वामित्व प्राप्त हो सकता है। अयाचित धन लाभ संभव है। दाम्पत्य अनुकूल होने का संकेत है। मानसिक क्लेश रहेगा। 1, 4, 6 मास में सतर्कता अपेक्षित है।

वृष 

रजत पादस्थ शनि के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। नवीन उच्च स्तरीय सम्बन्ध व संपर्क व्यक्तित्व व कार्यक्षेत्र में वृद्धि में सहायक होंगे। व्यर्थ के व्यय की वृद्धि होगी। पारिवारिक सौख्य बाधित हो सकता है। रक्त संचरण से संबद्ध समस्यायें हो सकती है। निम्न उदर भाग में समस्या प्रभावी हो सकती हैं अतः सतर्क रहें। सुवर्ण पादस्थ तथा उत्तरार्ध में ताम्र पादस्थ होकर गुरू मिश्रित परिणाम ही देगा। नौकरी कर रहे लोग अपने वातावरण के प्रति सावधान रहें। भूमि-भवन, वाहन क्रय करने का संकेत प्राप्त होता है। दाम्पत्य जीवन में प्रतिकूलता का संकेत है। सावधान रहें। 3, 4, 8 मास नेष्ट फलद हो सकते है।

मिथुन 

लौह पादस्थ शनि अशुभता को न्यून करने में सहयोगी होगा। कार्य क्षेत्र की वृद्धि होगी। वैदेशिक यात्राओं का योग है। लौह पादस्थ गुरू से प्राप्त अनुकूलता सर्वतोभावेन होगी। जबकि उत्तरार्ध में रजत पादस्थ होकर गुरू लाभप्रद होते हुये भी कुछ प्रतिकूलता का संकेत प्रदान करता है। अयाचित धन प्राप्ति का योग है। संतान के आकांक्षी शुभ समाचार प्राप्त कर सकते हैं। विलंबित कार्यों के सम्पन्न होने का संकेत है। उदरविकार से सावधान रहें। मित्रों का सहयोग होगा। शिक्षा जगत से जुड़े लोग विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त कर सकते है। दांपत्यजीवन तनावपूर्ण होगा। संतति का उन्नयन होगा। 3, 5, 12 मास प्रतिकूल हैं।

कर्क 

लघु कल्याणी का प्रभाव होगा। ताम्र पादस्थ शनि रोग प्रभावी करने पर भी कुछ कष्ट न्यून करेगा। पुरानी समस्याओं से मुक्ति संभव है। सुवर्ण पादस्थ गुरू पारिवारिक कष्ट का संकेत देता है। कार्य व्यापार या सेवा क्षेत्र में मत वैभिन्य कष्ट देगा। किन्तु उत्तरार्ध में लौह पादस्थ

गुरू थोड़े संकट के साथ ही सही किन्तु कार्य व्यापार से सबंद्ध संकल्पनाओं को गतिशील एवं पूर्ण करने में सहायक होगा। विदेश यात्रा करने वाले सतर्क रहें। अनपेक्षित प्रतिकूलता संभव है। वाणी पर नियंत्रण रखें। शत्रु पराभूत होंगे। परिवार में मांगलिक कार्य संभव है। वाहन चालन में सावधान रहेंगे तो दुर्घटना का भय कम होगा। 2, 3, 11 मास में सतर्क रहें।

सिंह  रजत पादस्थ शनि संवत्सर पर्यन्त प्रतिकूल संकेत ही देता है। पारिवारिक, विशेषतः दांपत्य संबन्धित, असंतुलन प्रभावी हो सकता है। नौकरी पेशा लोग अपने अधिकारियों व सहकर्मियों के प्रति सचेष्ट रहें। अनपेक्षित समस्यायें उत्पन्न हो सकती हैं। उद्योग व व्यापार के क्षेत्र में बड़े कार्य प्रारम्भ करने के समय सतर्क रहें। मत वैभिन्य से हानि हो सकती है। ताम्र पादस्थ गुरू भी मिश्रित परिणाम प्रदान करेगा। किन्तु फिर भी संवत्सर के पूर्वार्ध में उसके द्वारा पारिवारिक सौख्य व संसाधन संचय में अनुकूलता परिलक्षित होगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। माता-पिता तीर्थयात्रा कर सकते हैं। कृषक वर्ग लाभान्वित होगा। विद्यार्थियों को परिश्रम का उत्तम फल प्राप्त होगा। विधिक विवाद अनुकूल हो सकते हैं। 2, 5, 11 मास में सावधान रहें।

कन्या  सुवर्ण पादस्थ शनि व्यक्तिगत प्रयासों को गतिशील करने के साथ ही उनके क्रियान्वयन में भी सहायक होता है। संवत्सर के पूर्वार्ध में रजत पादस्थ गुरू स्वास्थ्य चिन्ता व व्यर्थ व्यय का संकेत देता है। किन्तु उत्तरार्ध में सुवर्ण पादस्थ होकर अनुकूलता प्रदान करता है। नवीन स्रोतों से धन प्राप्ति तथा वैदेशिक यात्रा के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। दांपत्य जीवन में समरसता बनाये रखने हेतु विशेष प्रयत्नशील रहें। पिता को शारीरिक कष्ट संभाव्य है। विशेष संदर्भ में भ्रातृ सहयोग प्राप्त होने का संकेत है। स्थान परिवर्तन संभव है। संतान का हित सम्पन्न होगा। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में परिश्रम अपेक्षित परिणाम देगा। 2, 4, 12 मास में सतर्कता अपेक्षित है।

तुला  लौह पादस्थ शनि पारिवारिक सुख का संकेत देता है। किन्तु कार्य-व्यापार में यदि साझेदारी है तो समस्या उत्पन्न हो सकती है। निरंतर यात्राओं का संकेत है। संवत्सर आरंभ में गुरू पर्याप्त लाभप्रद परिणाम प्रदान करने में सहायक होगा। किन्तु कालान्तर में रजत पादस्थ होकर अपमान व धन नाश का कारक बन सकता है। शेयर मार्केट से दूर रहें अन्यथा हानि होगी। भूमि-भवन में सोच विचार कर निवेश करें। कानूनी समस्या उत्पन्न हो सकती है। शत्रु प्रभाव में वृद्धि से कष्ट होगा। ऋण लेने से बचे। रक्त संचरण से सबद्ध समस्या प्रभावी हो सकती है। संवत्सर उत्तरार्ध में अधिक अनुकूलता का अनुभव होगा। 1, 2, 9 मास नेष्ट फलद होंगे।

वृश्चिक  लघु कल्याणी प्रभावी है। संयमित रहें। मिथ्या अपवाद प्रभावी हो सकते हैं। स्थान परिवर्तन संभव है। वाहन सावधानी से चलायें अन्यथा दुर्घटना संभव है। पत्नी के स्वास्थ्य में व्यतिक्रम का संकेत है। संतान से मतभेद संभव है। व्यर्थ यात्रायें शरीर को कष्ट व धन की हानि का कारण बनेंगी। भूमि-भवन के मामले जटिल होंगे। सावधानी आवश्यक है। भोजन नियंत्रित रखें अन्यथा उदर प्रदेश में व्याधि प्रभावी हो जायेगी। कोई उपयोगी विदेश यात्रा हो सकती है। 2, 10, 12 मास में कष्ट संभव है।

धनु  ताम्रपादस्थ शनि प्रयासशील होने पर फलप्रदता एवं अनुकूलता का संकेत देता है। पुरूषार्थ फलित होगा। समग्र रूप से छात्रों

के लिये अनुकूलता का संकेत है। शोध के क्षेत्र में गति प्रभावी हो सकती है। उच्च शिक्षा हेतु विदेश यात्रा संभव है। संवत्सर के पूर्वार्ध में कार्य क्षेत्र व धनप्राप्ति में सहायक सुवर्ण पादस्थ गुरू कालांतर में ताम्रपादस्थ होकर बाधा कारक हो सकता है। दो बातों का ध्यान रखें। प्रथम कोई व्याधि कष्ट होने पर सतर्कता से उसका निदान करायें व उसकी उपेक्षा न करें। द्वितीय किसी भी उद्देश्य हेतु बहुत विचार के उपरांत ही ऋण लें क्योंकि यह जाल जटिल हो सकता है। मांङ्गलिक कृत्य संभव है। 8, 9, 11 मास नेष्ट फलद है।

मकर  बृहद कल्याणी का तृतीय चरण है। रजत पादस्थ शनि संचित धन की हानि कारित करेगा। माँ का स्वास्थ्य दुष्भावित हो सकता है। स्व स्वास्थ्य चिंता भी होगी। आय के स्रोत संकुचित हो सकते हैं। रजत पादस्थ गुरू मिश्रित परिणाम प्रदान करता है। बुरी संगति आकृष्ट कर सकती है। बचने का प्रयास करें। किन्तु भाग्योदय के प्रयास भी फलीभूत होंगे। यदि संतान का प्रतियोगिता परीक्षाओं से संबन्ध है तो सफलता प्राप्ति की संभावना प्रबल है। शरीर के अधोभाग में कष्ट संभाव्य है। पैतृक संपदा को लेकर विवाद संभव है। अग्नि के प्रति संवेदनशील व्यापार से जुड़े लोग सतर्क रहें। अग्नि काण्ड संभव है। 4, 9, 12 मास में सावधान रहें।

कुम्भ बृहद कल्याणी का द्वितीय चरण है। कष्ट प्रद है। लौह पादस्थ शनि अपमान कारित कर सकता है। पुरूषार्थ बाधित होगा। संबन्धियों से तनाव संभव है। पत्नी के साथ सम्बन्ध व उसका स्वास्थ्य दोनों दुष्प्रभावित होने के संकेत हैं। पूर्वार्ध में लौह पादस्थ व उत्तरार्ध में सुवर्ण पादस्थ गुरू बहुत शुभता का संकेत नहीं देता है। भूमि भवन के लेन देन तथा वाहन से कष्ट का संकेत है। चित्त संकेन्द्रण पर ध्यान दें। अन्यमनस्कता हानि का कारण बनेगी। अज्ञात भय कष्ट देगा। विरोधी प्रभावी होंगे। 2, 4, 10 मास में सतर्क रहें।

मीन  बृहद कल्याणी का प्रथम चरण है। व्यर्थ के विधिक विवाद कष्ट देंगे। संचित धन का क्षरण होगा। शत्रु प्रभावी होंगे। भाग्यावरोध होगा। यदि वार्धक्य की स्थिति है तो मृत्यु तुल्य कष्ट या मृत्यु ही संभाव्य है। ताम्र पादस्थ शनि आर्थिक क्षेत्र में असंतुलन का कारक है। रजत पादस्थ गुरू संवत्सर आरम्भ में कार्य-व्यापार में कुछ अनुकूलता का संकेत देते हैं। किन्तु उत्तरार्ध में लौह पादस्थ होकर कष्ट का संकेत देते हैं। हाथ व कन्धों से संबंधित जटिलता कष्ट दे सकती है। तीर्थ यात्रा का योग है। वर्ष का उत्तरार्ध आर्थिक लाभ का आनन्द दे सकता है। 1, 9, 12 मास में सावधान रहें।

भद्रा - कतिपय शंकाओं का निवारण

तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण से समन्वित होकर पंचांग निर्मित होता है। भद्रा इनमें से एक करण की संज्ञा है। भद्रा चंद्र राशि संचार गणना के अनुरूप भिन्न-भिन्न राशियों में संचरण करती है। भद्रा के प्रति एक भय का भाव रहता है। जबकि प्रत्येक प्रकार की भद्रा शुभ कार्यों में न निषिद्ध होती है न ही अशुभ होती है।

प्रामाणिक एवं सर्व स्वीकार्य ग्रथ मुहूर्त चिन्तामणि में इसका विशद वर्गीकरण है जो इस प्रकार है। -

1. चन्द्रमा के कर्क, सिंह, कुम्भ, मीन राशियों में संचरित होने पर ***भद्रा का वास पृथ्वी*** में होता है। यह भद्रा अशुभ फल कारक होती है। अतः इस वर्गीकरण की भद्रा में कोई कार्य नहीं करना चाहिये।
2. चन्द्रमा के मेष, वृष, मिथुन, वृश्चिक राशियों में संचरित होने पर ***भद्रा का वास स्वर्ग लोक*** में होता है। स्वर्ग की भद्रा पृथ्वी पर अनिष्टकारी नहीं होगी।
3. चन्द्रमा के कन्या, तुला, धनु, मकर राशियों में गतिशील रहने पर ***भद्रा का वास पाताल*** में होता है। पाताल स्थित भद्रा पृथ्वी पर हानिकारक नहीं होती है।

आर्थिक सौजन्य

श्रीमती सुदेवी गौड़ - एम0 ए0, साहित्य रत्न, साहित्यालंकार - दूरभाष - (0532) 2618509

पवन जायसवाल एण्ड एसोसियेट्स - संगम प्लेस, यू-20 & 26, सिविल लाइन्स, प्रयागराज - 211001

दूरभाष 0532-3255455, 9838978486, 9450586293, फैक्स - 0532-2561001

डॉ0 ए0 एन0 चड्ढा - वेलक्योर होमियो क्लीनिक डी0ए0वी0 कालेज बाजार, मीरापुर, प्रयागराज - दूरभाष - 2659713

ए0 एन0सी0 कैंसर केयर सेन्टर 43/9, सरदार पटेल मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज 211 001

मोबाइल - 9452140501, 8840759443, 9889455552 E-Mail : dr-chaddha@yahoo.com

श्री विनीत पाण्डेय एडवोकेट - 9/1, इंडस्ट्रियल कालोनी, नैनी, इलाहाबाद दूरभाष - 2695511, 9554633333

E-Mail - vineetp09@gmail.com

DELTA ENGG TECH PVT. LTD. **FVL Construction**

delta.enterprises6@gmail.com fvl.construction20@gmail.com

श्री सुरेश चन्द्र गुप्ता - 125, बी. एच. एस., अल्लापुर, प्रयागराज, मो0 9919474024, 9598529176 (Neha Offset)

श्रीमती रजनी भरत लाल अरोड़ा - एम.आई.जी. 2, ए-45, अवन्तिका कालोनी, ए.डी.ए. नैनी, प्रयागराज मो0 9935526789

श्री के0 एन0 एन0 सिंह - वाइस प्रेसीडेन्ट, नेशनल एजूकेशनल एसोसियेशन, रामबली नेशनल इण्टर एवं डिग्री कालेज, गोसाईगंज, फैजाबाद - मो0 9415644763

अक्षर संयोजन - विभूति अग्रवाल, सुपरसेट कम्प्यूटर्स, 98, जीरो रोड, इलाहाबाद ■ सम्पर्क 9335101030

परम पूज्य महाराज श्री के विविध पक्षों का परिचय








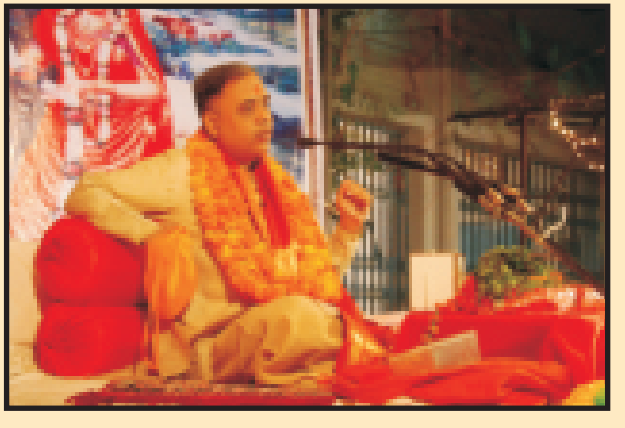

April 2024 अप्रैल

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
S	M	T	W	T	F	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

May 2025 मई

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

June 2024 जून

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
S	M	T	W	T	F	S
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

July 2024 जूलाई

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
S	M	T	W	T	F	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

August 2024 अगस्त

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
S	M	T	W	T	F	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

September 2024 सितम्बर

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

October 2024 अक्टूबर

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
S	M	T	W	T	F	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

November 2024 नवम्बर

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
S	M	T	W	T	F	S
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

December 2024 दिसम्बर

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

January 2025 जनवरी

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

February 2025 फरवरी

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
S	M	T	W	T	F	S
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	

March 2025 मार्च

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
S	M	T	W	T	F	S
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

ब्लाक 13, द्वारिका एनक्लेव, ग्राउंड फ्लोर, लूकरगंज, प्रयागराज - 211001 भारत

दूरभाष : (0532) 2618509 Mobile : (+91) 9415308509, 9695193990

ई. मेल : amitabhg98@yahoo.com/maharajshree19@gmail.com

lets click the link (www.amitabhjimaharaj.in) to get your access for www.astrospiritualsolutions.com for true solutions manifold. अपने ज्योतिषीय एवं आध्यात्मिक समाधान हेतु www.amitabhjimaharaj.in पर क्लिक करे।

मानव सेवा माधव सेवा – परमपूज्य संत वैष्णवाचार्य आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज